website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
# रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 59 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार 08 फरवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

## लोकसभा में हंगामे के बीच कार्यवाही सोमवार तक स्थगित

### -राहुल गांधी–रवनीत बिट्टू बयानबाजी से बढ़ा सियासी तापमान

नई दिल्ली । संसद का बजट सत्र इस बार लगातार हंगामे और तीखी नारेबाजी के कारण सुर्खियों में बना हुआ है। शुक्रवार को भी लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच जोरदार टकराव देखने को मिला। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि लोकसभा की कार्यवाही पहली बार केवल 3 मिनट और दूसरी बार सिर्फ 7 मिनट ही चल सकी। इसके बाद स्पीकर ने सदन की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी। राज्यसभा में भी यही हाल रहा और वहां भी कार्यवाही को सोमवार तक टालना पड़ा। हंगामे की वजह राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और तीखी बयानबाजी रही। सदन के भीतर और बाहर नेताओं के बीच शब्दों के तीर चल रहे हैं। इसी क्रम में केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट् का बयान भी चर्चा का विषय बन गया। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि "उन्हें कल सबने बालक कहा। आज प्रधानमंत्री की पाठशाला थी, जिसमें बच्चों को कामयाब होना सिखाया गया। अगर राहुल भी पीएम की पाठशाला में चले जाएं तो जिंदगी में कामयाब हो जाएंगे।" बिट् का यह बयान राजनीतिक हलकों में खूब चर्चा बटोर रहा है। दरअसल, इससे पहले संसद में राहुल गांधी और रवनीत बिट् के बीच तीखी नोकझोंक हुई थी। राहुल गांधी ने बिट् को "गद्दार" कह दिया था, जिस पर

सत्ता पक्ष ने कड़ी आपत्ति जताई थी। भाजपा और उसके सहयोगी दलों के सांसदों ने इसे अपमानजनक बताया और माफी की मांग की। इसके बाद से दोनों पक्षों के बीच तनातनी और बढ़ गई है। यह पूरा घटनाक्रम दिखाता है कि संसद में राजनीतिक संवाद की जगह टकराव ने ले ली है। गुरुवार को भी संसद का माहौल शांत नहीं रहा। लोकसभा और राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव हंगामे के बीच पास किया गया। लोकसभा में यह एक खास घटना रही क्योंकि 2004 के बाद पहली बार धन्यवाद प्रस्ताव प्रधानमंत्री के भाषण के बिना ही पारित हो गया। आमतौर पर परंपरा यह रही है कि इस प्रस्ताव पर चर्चा के बाद प्रधानमंत्री जवाब देते हैं और फिर प्रस्ताव पास होता है। लेकिन इस बार लगातार हंगामे और व्यवधान के कारण यह प्रक्रिया पूरी तरह नहीं हो सकी। हालांकि राज्यसभा में स्थिति कुछ अलग रही। वहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चर्चा का जवाब दिया और उसके बाद धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया गया। फिर भी पूरे सत्र पर हंगामे की छाया साफ दिखाई दी। विपक्ष का कहना है कि वह जनता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा चाहता है, लेकिन सरकार बहस से बच रही है। वहीं सरकार का आरोप है कि विपक्ष जानबूझकर सदन नहीं चलने दे रहा और राजनीतिक ड्रामा कर रहा है। संसद का काम कानून बनाना, नीतियों पर बहस करना और जनता के सवाल उठाना होता है। जब बार-बार कार्यवाही स्थगित होती है तो इसका सीधा असर विधायी कामकाज पर पड़ता है। कई अहम बिल और चर्चाएं टल जाती हैं। टैक्सपेयर्स के पैसे से चलने वाली संसद में काम न होना भी एक बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है। जनता के बीच यह सवाल उठता है कि जब प्रतिनिधि सदन में पहुंचते हैं तो क्या उनका फर्ज बहस करना है या केवल नारे लगाना। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि चुनावी माहौल और बढ़ती राजनीतिक ध्रुवीकरण का असर संसद की कार्यवाही पर भी दिख रहा है। बयान अब केवल सदन तक सीमित नहीं रहते, बल्कि तुरंत सोशल मीडिया और टीवी बहसों का हिस्सा बन जाते हैं। ऐसे में कई बार नेता अपने समर्थकों को संदेश देने के लिए ज्यादा आक्रामक भाषा का इस्तेमाल करते हैं। रवनीत बिट् और राहुल गांधी के बीच ताजा बयानबाजी भी इसी राजनीतिक माहौल का हिस्सा मानी जा रही है। एक तरफ तंज और कटाक्ष, दूसरी तरफ तीखे आरोप — इससे राजनीतिक तापमान और बढ़ रहा है। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या इससे संसद की गरिमा प्रभावित हो रही है?

## आंध्र प्रदेश में चलती बस में लगी आग, ड्राइवर की सूझबूझ से 39 यात्रियों की जान बची

आंध्र प्रदेश । आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले में शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया, जब हैदराबाद से विजयवाड़ा जा रही एक प्राइवेट बस में अचानक आग लग गई। यह घटना केसर टोल गेट के पास हुई। बस में कुल 39 यात्री सवार थे, लेकिन ड्राइवर की सूझबूझ और तेज फैसले की वजह से सभी यात्रियों की जान सुरक्षित बच गई। घटना ने एक बार फिर यह दिखा दिया कि संकट के समय सही निर्णय कितनी बड़ी तबाही को टाल सकता है। मिली जानकारी के अनुसार, बस अपने तय रूट पर चल रही थी। सुबह का समय था और यात्री अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे थे। तभी बस के पिछले हिस्से में बने इंजन से अचानक धुआं निकलता दिखाई दिया। शुरुआत में कुछ यात्रियों को हल्की जलने की गंध महसूस हुई। ड्राइवर ने भी रियर व्यू मिरर और संकेतों से स्थिति को भांप लिया। बिना देर किए उसने तुरंत बस को सड़क किनारे सुरक्षित स्थान पर रोक दिया। बस रुकते ही ड्राइवर और कंडक्टर ने फौरन यात्रियों को नीचे उतरने के लिए कहा। पहले तो कुछ लोग घबरा गए, लेकिन स्टाफ ने शांत रहते हुए सभी को जल्दी-जल्दी बाहर निकाला। कुछ ही मिनटों में सभी 39 यात्री बस से उतर चुके थे। जैसे ही आखिरी यात्री नीचे उतरा, आग ने तेज रूप ले लिया और बस के पिछले हिस्से से लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने पूरी बस

को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी भीषण थी कि बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। अगर ड्राइवर थोड़ी भी देर करता, तो यह हादसा जानलेवा साबित हो सकता था। मौके पर मौजूद लोगों ने भी बताया कि आग बहुत तेजी से फैली, जिससे साफ है कि समय पर बस रोकना और यात्रियों को उतारना सबसे अहम कदम था। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाने में कुछ समय लगा क्योंकि बस पूरी तरह जल रही थी। पुलिस ने आसपास के इलाके को सुरक्षित घेरा और ट्रैफिक को कुछ समय के लिए डायवर्ट किया गया। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि आग इंजन में तकनीकी खराबी या शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी हो सकती है। हालांकि, असली कारण का पता जांच पूरी होने के बाद ही चलेगा।

## मथुरा एक्सप्रेस-वे हादसा:

### -कंटेनर ने बस से उतरे यात्रियों को रौंदा, 6 की मौत, एक गंभीर घायल

मथुरा । मथुरा जिले में यमुना एक्सप्रेस-वे पर शनिवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा उस समय हुआ जब स्लीपर बस से उतरे यात्री सड़क किनारे खड़े थे और पीछे से आ रहे तेज रफ्तार कंटेनर ने उन्हें रौंद दिया। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और कुछ ही मिनटों में लंबा जाम लग गया। पुलिस के अनुसार हादसा सुरीर थाना क्षेत्र में माइल स्टोन-88 के पास करीब सुबह 2:45 बजे हुआ। स्लीपर बस दिल्ली के नागलोई इलाके से कानपुर देहात के रसूलाबाद जा रही थी। यात्रा के दौरान कुछ यात्रियों ने ड्राइवर से बाथरूम जाने के लिए बस रोकने को कहा। बताया जा रहा है कि ड्राइवर ने तय ग्रीन जोन या अधिकृत स्टॉप की बजाय एक्सप्रेस-वे पर ही बस रोक दी, जो नियमों के खिलाफ है। बस रुकने के बाद कुछ यात्री नीचे उतरकर सड़क किनारे खड़े हो गए। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार कंटेनर ने पहले बस को टक्कर मारी और फिर नीचे खड़े यात्रियों को कुचल दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कई लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के तुरंत बाद कंटेनर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर के बाद अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घायल लोग सड़क पर तड़पते रहे। राहगीरों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को नजदीकी अस्पताल भिजवाया गया। मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस कंटेनर चालक की तलाश में जुटी है और आसपास

के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। हादसे के बाद का एक भावुक दृश्य भी सामने आया, जहां एक सास अपने दामाद की मौत की खबर सुनकर बेसुध हो गई और अपने बेटे से लिपटकर रोती रही। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस हादसे ने कई घरों के चिराग बुझा दिए। प्राथमिक जांच में लापरवाही के कई पहलू सामने आ रहे हैं, जिनमें एक्सप्रेस-वे पर गलत जगह बस रोकना और कंटेनर की तेज रफ्तार शामिल है। एक्सप्रेस-वे पर बिना अनुमति वाहन रोकना खतरनाक और दंडनीय माना जाता है, लेकिन इसके बावजूद ऐसे मामले सामने आते रहते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे का संज्ञान लिया है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और उन्हें ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था करने को भी कहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता लागू:

### -एक्स्ट्रा टैरिफ खत्म, 30 ट्रिलियन डॉलर का बाजार खुला

वॉशिंगटन डीसी (एजेंस)। भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते (ITA) का फ्रेमवर्क जारी होने के साथ ही दोनों देशों के कारोबारी रिश्तों में एक बड़ा मोड़ आया है। इस नए फ्रेमवर्क के तहत अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर लगने वाले टैरिफ में बड़ी राहत दी है। भारतीय सामान पर टैक्स दर को 50% से घटाकर 18% कर दिया गया है। साथ ही रूस से तेल खरीदने के कारण भारत पर लगाया गया 25% अतिरिक्त टैरिफ भी आज से समाप्त कर दिया गया है। इससे भारतीय निर्यातकों को सीधा फायदा मिलेगा। संयुक्त बयान के मुताबिक यह फ्रेमवर्क 13 फरवरी 2025 से शुरू हुई भारत-अमेरिका व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौता (BTA) वार्ता को आगे बढ़ाने का काम करेगा। दोनों देशों ने भरोसा जताया है कि इसे जल्द लागू किया जाएगा और आगे चलकर एक विस्तृत व्यापार समझौते का रास्ता साफ होगा। इस समझौते का सबसे

बड़ा असर बाजार पहुंच और सप्लाई चेन पर पड़ेगा। अमेरिका का लगभग 30 ट्रिलियन डॉलर का विशाल बाजार भारतीय कंपनियों के लिए ज्यादा खुला होगा। इससे मैन्युफैक्चरिंग, एग्रीकल्चर, फिशरी और MSME सेक्टर को नई ताकत मिलेगी। छोटे कारोबारियों, किसानों और मछुआरों को निर्यात के ज्यादा मौके मिलेंगे। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार इस डील से महिलाओं और युवाओं के लिए लाखों नए रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। दूसरी तरफ भारत ने भी अगले पांच वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर के उत्पाद खरीदने पर सहमति जताई है, जिससे दोनों देशों के बीच ट्रेड बैलेंस और रणनीतिक साझेदारी मजबूत होगी।

## परीक्षा पे चर्चा में पीएम मोदी का संदेश:

### -स्वदेशी अपनाओ, आत्मविश्वास बढ़ाओ और स्किल-मार्क्स में रखो संतुलन

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 'परीक्षा पे चर्चा' के 9वें एडिशन में देशभर से आए विद्यार्थियों से संवाद किया। यह कार्यक्रम दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री आवास पर आयोजित हुआ, जहां पीएम मोदी ने बच्चों का स्वागत असम के पारंपरिक गमछे पहनाकर किया। इस बार की चर्चा का फोकस सिर्फ परीक्षा और पढ़ाई तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आत्मविश्वास, स्किल, स्वदेशी अपनाने और विकसित भारत के विज़न तक फैला रहा। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने छात्रों को विदेशी चीज़ों पर निर्भरता कम करने और स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि अगर हर नागरिक एक साल में एक विदेशी वस्तु को स्वदेशी से बदलने का संकल्प ले ले, तो देश की अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भरता दोनों मजबूत होंगी। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे आने वाले 25 वर्षों में विकसित भारत के निर्माण को अपना निजी सपना बनाएं। पीएम मोदी ने कहा कि जब देश आज़ादी के 100 वर्ष पूरे करेगा, तब आज के विद्यार्थी 39-40 वर्ष के होंगे और देश की जिम्मेदारी उनके कंधों पर होगी। उन्होंने भगत सिंह जैसे स्वतंत्रता सेनानियों का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने आज़ादी का सपना दिल में रखकर बलिदान दिया। उसी तरह आज के युवाओं को विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ना चाहिए। एक छात्र ने प्रेजेंटेशन देते समय घबराहट की समस्या बताई। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि डर को दूर करने का सबसे बड़ा तरीका है

— खुद पर भरोसा। उन्होंने उदाहरण दिया कि सड़क पर रहने वाली एक गरीब महिला भी जब किसी घटना के बारे में बताती है तो पूरे आत्मविश्वास से बोलती है, क्योंकि उसे सच पता होता है। उसी तरह अगर विद्यार्थी अपने विषय को समझकर बोलेंगे तो डर अपने आप खत्म हो जाएगा। गेमिंग में रुचि रखने वाले एक छात्र के सवाल पर प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत कहानियों का खजाना है। छात्रों को चाहिए कि वे पंचतंत्र, महाभारत और अन्य ऐतिहासिक व प्रेरक कथाओं पर आधारित गेम विकसित करें। इससे क्रिएटिविटी भी बढ़ेगी और भारतीय संस्कृति भी दुनिया तक पहुंचेगी। मार्क्स के दबाव पर बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि "मार्क्स-मार्क्स की बीमारी" से बचना चाहिए। उन्होंने छात्रों से पूछा कि क्या उन्हें पिछले साल के टॉपर्स के नाम याद हैं? उपलब्धियां क्षणिक होती हैं, लेकिन सीख और ज्ञान जीवनभर काम आता है। पढ़ाई का असली मकसद जीवन को बेहतर बनाना होना चाहिए, सिर्फ नंबर लाना नहीं। स्किल और मार्क्स में क्या ज्यादा जरूरी है — इस सवाल पर पीएम मोदी ने संतुलन को सबसे महत्वपूर्ण बताया।

## इस्लामाबाद मस्जिद धमाका:

### -भारत ने पाक आरोपों को बताया निराधार, कहा– पाकिस्तान खुद को दे रहा धोखा

नई दिल्ली । इस्लामाबाद में जुमे की नमाज़ के दौरान एक शिया मस्जिद (इमामबाड़ा) में हुए आत्मघाती धमाके को लेकर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है और पाकिस्तान के आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। इस हमले में बड़ी संख्या में लोगों की जान गई है और कई लोग ज़ख्मी हुए हैं। अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट्स में मरने वालों की संख्या 31 से लेकर 69 तक बताई जा रही है, जबकि 150 से अधिक लोग घायल बताए गए हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने देर रात जारी अपने बयान में कहा कि भारत इस दर्दनाक हादसे की सख्त निंदा करता है और जानमाल के नुकसान पर गहरी संवेदना व्यक्त करता है। मंत्रालय ने साफ कहा कि इस हमले में भारत के शामिल होने का दावा बेबुनियाद और निरर्थक है। भारत ने यह भी कहा कि पाकिस्तान बार-बार अपनी अंदरूनी समस्याओं और सामाजिक हालात से ध्यान हटाने के लिए दूसरों पर इल्ज़ाम

लगाता है, जो सही रवैया नहीं है। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया कि पाकिस्तान को अपने मुल्क के अंदर मौजूद चुनौतियों, कट्टरपंथ और सुरक्षा खामियों से निपटने पर ध्यान देना चाहिए, न कि हर घटना के लिए बाहरी ताकतों को जिम्मेदार ठहराना चाहिए। "पाकिस्तान खुद को ही धोखा दे रहा है" — यह टिप्पणी भारत की ओर से कड़े शब्दों में दी गई प्रतिक्रिया का हिस्सा रही। दरअसल, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हमले के बाद दावा किया था कि इस घटना में भारत और अफगानिस्तान का हाथ हो सकता है। इसी आरोप के जवाब में भारत ने आधिकारिक तौर पर अपना पक्ष रखते हुए इन बातों को सिरे से खारिज कर दिया।

## 8 साल बाद मलेशिया दौरे पर पीएम मोदी

### -जाकिर नाइक मुद्दे समेत कई अहम बातचीत होगी

कुआलालंपुर (एजेंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के आधिकारिक दौरे पर शनिवार सुबह मलेशिया के लिए रवाना हुए। यह यात्रा मलेशिया के प्रधानमंत्री दातो सेरी अनवर इब्राहिम के निमंत्रण पर हो रही है। करीब आठ साल बाद पीएम मोदी मलेशिया जा रहे हैं। इससे पहले उनकी यात्रा 2018 में हुई थी। इस दौरे को भारत और मलेशिया के बीच रणनीतिक, व्यापारिक और कूटनीतिक रिश्तों को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। विदेश मंत्रालय के सचिव पी. कुमरन के मुताबिक, यह दौरा भारत की "एक्ट ईस्ट पॉलिसी" और आसियान देशों के साथ बढ़ते सहयोग के नजरिए से काफी महत्वपूर्ण है। दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, टेक्नोलॉजी, शिक्षा और रक्षा सहयोग जैसे मुद्दों पर विस्तार से बातचीत होने की उम्मीद है। क्षेत्रीय सुरक्षा और इंडो-पैसिफिक में साझेदारी भी एजेंडे

का हिस्सा रहेगी। अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी मलेशिया में बसे भारतीय प्रवासी समुदाय के प्रतिनिधियों और बिजनेस लीडर्स से भी मुलाकात करेंगे। भारतीय डायस्पोरा वहां बड़ी तादाद में मौजूद है और दोनों देशों के रिश्तों में अहम रोल निभाता है। प्रवासी भारतीयों के साथ संवाद को आपसी भरोसे और सांस्कृतिक रिश्तों को मजबूत करने के तौर पर देखा जा रहा है। इस दौरे में भगोड़े जाकिर नाइक का मुद्दा भी उठने की संभावना है, जो पिछले करीब 10 साल से मलेशिया में रह रहा है। भारत सरकार पहले भी कई मंचों पर उसके प्रत्यर्पण का मामला उठाती रही है। माना जा रहा है कि इस बार भी यह संवेदनशील मुद्दा बातचीत में शामिल रहेगा।

## घटती कमाई और शोषण के खिलाफ देशभर में ऐप-बेस्ड ड्राइवरों की हड़ताल

### -ओला-उबर-रैपिडो सेवाएं प्रभावित

नई दिल्ली । देशभर में आज ऐप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स की हड़ताल हो रही है, जिसमें ओला, उबर, रैपिडो, पोर्टर जैसे प्लेटफॉर्म से जुड़े लाखों ड्राइवर और गिग वर्कर्स शामिल हैं। यह हड़ताल घटती कमाई, बढ़ते शोषण और न्यूनतम बेस फेयर तय न होने के विरोध में बुलाई गई है। यूनियनों का कहना है कि ऐप कंपनियों की मनमानी नीतियों और सरकार की धीमी कार्रवाई के कारण ड्राइवरों की आजीविका पर सीधा असर पड़ रहा है। इस हड़ताल की घोषणा तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन (TGPWU) और इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स (IFAT) ने की है। इन संगठनों से जुड़े ड्राइवरों का आरोप है कि मोटर व्हीकल एग्रीगेटर गाइडलाइंस-2025 लागू होने के बावजूद केंद्र और राज्य सरकारों ने अब तक न्यूनतम बेस किराया नोटिफाई नहीं किया है। इसी खाली जगह का फायदा उठाकर एग्रीगेटर कंपनियां किराया घटाती जा रही हैं, जिससे ड्राइवरों की कमाई लगातार कम हो रही है। यूनियनों के मुताबिक पहले जहां एक राइड से ड्राइवर को ठीक-ठाक आमदनी हो जाती थी, वहीं अब लंबी दूरी तय करने और ज्यादा घंटे काम करने के बावजूद उतनी कमाई नहीं हो पा रही। ईंधन के दाम, गाड़ी का मेंटेनेंस, इंश्योरेंस और लोन की किस्तें बढ़ती जा रही हैं, लेकिन किराया दरों में उसी अनुपात में बढ़ोतरी नहीं हुई। कई मामलों में तो कंपनियों ने इंसेंटिव स्ट्रक्चर भी बदल दिया है, जिससे ड्राइवरों की कुल इनकम और घट गई है। वर्कर्स का यह भी कहना है कि प्लेटफॉर्म कंपनियां ज्यादातर ऑपरेशनल रिस्क ड्राइवरों पर डाल देती हैं। अगर राइड कैंसिल होती है, ग्राहक शिकायत करता है या ऐप में तकनीकी दिक्कत आती है, तो उसका नुकसान ड्राइवर को झेलना पड़ता है। इसके अलावा अकाउंट सस्पेंड या ब्लॉक करने की कार्रवाई भी बिना स्पष्ट सुनवाई के कर दी जाती है। ड्राइवरों का आरोप है कि उनके पास अपील या न्याय पाने का मजबूत सिस्टम मौजूद नहीं है। TGPWU के संस्थापक अध्यक्ष और IFAT के को-फाउंडर व नेशनल जनरल सेक्रेटरी शेख सल्लाउद्दीन ने कहा है कि एग्रीगेटर गाइडलाइंस-2025 में साफ लिखा है कि किराया तय करने से पहले मान्यता प्राप्त यूनियनों से मशविरा करना जरूरी है। लेकिन सरकारें इस नियम को लागू करने में सुस्ती दिखा रही हैं। उनका कहना है कि अगर न्यूनतम बेस फेयर तय कर दिया जाए, तो ड्राइवरों को एक सुरक्षा कवच मिलेगा और कंपनियों की मनमानी पर रोक लगेगी। देशभर में ओला और उबर जैसे प्लेटफॉर्म से करीब 35 लाख ड्राइवर जुड़े बताए जाते हैं। ऐसे में हड़ताल का असर बड़े शहरों में ज्यादा देखने को मिल सकता है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे जैसे शहरों में कैब और

बाइक टैक्सी सेवाएं प्रभावित होने की आशंका है। भोपाल जैसे शहरों में भी हजारों गाड़ियां इन प्लेटफॉर्म से जुड़ी हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर यात्रियों को परेशानी हो सकती है। यूनियनों ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर न्यूनतम किराया तय करने, कमीशन की अधिकतम सीमा निर्धारित करने और ड्राइवरों के लिए सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था लागू करने की मांग की है। उनकी मांग है कि गिग वर्कर्स को भी श्रमिक का दर्जा दिया जाए ताकि उन्हें बीमा, पेंशन और अन्य लाभ मिल सकें। यह हड़ताल केवल किराया बढ़ाने का मुद्दा नहीं है, बल्कि गिग इकोनॉमी में काम करने वाले लाखों वर्कर्स के अधिकार, सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा मामला बन चुका है। आने वाले समय में सरकार और कंपनियां इस पर क्या रुख अपनाती हैं, इस पर पूरे सेक्टर की दिशा निर्भर करेगी।

# रॉयल पत्रिका

## संपादकीय....

### एआई की नई छलांग और वैश्विक रेगुलेशन की बढ़ती जरूरत

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की दुनिया में हाल ही में आए एक नए अमेरिकी स्टार्ट-अप के एआई एप “क्लॉड कोवर्क” ने वैश्विक टेक बाजार में हलचल मचा दी है। इस एप के सामने आने के बाद भारत की बड़ी आईटी सेवा कंपनियों से लेकर एनवीडिया जैसी दिग्गज कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट देखी गई। इससे साफ संकेत मिलता है कि एआई का नया दौर सिर्फ तकनीकी बदलाव नहीं, बल्कि कारोबारी ढांचे और रोज़गार की प्रकृति को भी गहराई से प्रभावित करने जा रहा है। अब तक यह माना जाता रहा कि एआई टूल्स कंपनियों के काम को आसान बनाने वाले सहायक माध्यम होंगे, लेकिन नई पीढ़ी के एआई एप्स खुद ही पूरा काम करने की क्षमता दिखा रहे हैं। पहले एआई को लीगल रिसर्च, डेटा एनालिसिस, सेल्स और मार्केटिंग आकलन, कॉम्प्लायंस मॉनिटरिंग और कस्टमर सपोर्ट जैसी सेवाओं में मददगार के रूप में देखा जाता था। कंपनियां सोचती थीं कि इंसानी विशेषज्ञों के साथ मिलकर एआई काम करेगा और प्रोडक्टिविटी बढ़ाएगा। लेकिन अब ऐसे एप सामने आ रहे हैं जो बिना ज्यादा मानवीय दखल के इन सेवाओं को सीधे अंजाम देने में सक्षम हैं। इससे आईटी सर्विस सेक्टर के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है। जो कंपनियां अब तक डेटा प्रोसेसिंग और विश्लेषण के आधार पर सेवाएं दे रही थीं, उनके बिजनेस मॉडल पर दबाव बढ़ सकता है। एनवीडिया के सीईओ ने भारत के बजट में आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के प्रयासों की तारीफ करते हुए कहा कि नए डेटा सेंटर खुलने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। यह बात एक हद तक सही भी है क्योंकि एआई और क्लाउड सिस्टम के विस्तार के लिए मजबूत डेटा ढांचे की जरूरत पड़ेगी। लेकिन दूसरी तरफ यह भी सच है कि ज्यादा सक्षम और ऑटोमेटेड एआई एप्स डेटा सेंटर्स और उनसे जुड़ी सेवाओं की मांग के स्वरूप को बदल सकते हैं। अगर एआई खुद ही अधिक कुशल तरीके से डेटा प्रोसेस और निर्णय लेने लगे तो पारंपरिक सर्विस आधारित मॉडल कमजोर पड़ सकते हैं। तकनीकी असर के अलावा सुरक्षा का पहलू भी बेहद अहम है। ऐसे एआई एप्स को अगर किसी सिस्टम या फाइल तक एक्सेस मिल जाए तो वे निर्देश के आधार पर फाइल पढ़, कॉपी, संशोधित या डिलीट भी कर सकते हैं। अगर यह क्षमता गलत हाथों में चली जाए तो बड़े पैमाने पर डेटा चोरी, साइबर हमले और डिजिटल तोड़फोड़ की घटनाएं बढ़ सकती हैं। अभी ज्यादातर देशों में एआई के इस्तेमाल को लेकर स्पष्ट और कड़े नियम मौजूद नहीं हैं, जिससे जोखिम और बढ़ जाता है। इसी वजह से अब यह मांग तेज हो रही है कि एआई और नई डिजिटल तकनीकों के लिए वैश्विक स्तर पर रेगुलेटरी व्यवस्था बनाई जाए। जैसे परमाणु ऊर्जा, एविएशन और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली के लिए साझा नियम और निगरानी तंत्र बने, वैसे ही एआई के लिए भी न्यूनतम वैश्विक मानक तय होने चाहिए। इसमें डेटा सुरक्षा, जवाबदेही, पारदर्शिता और दुरुपयोग की सजा जैसे पहलू शामिल हों।

# एआई से बेरोज़गारी नहीं, लेबर-शॉर्टेज का समाधान: बदलती जनसंख्या और तकनीक मिलकर रोजगार का नया मॉडल बना रही है

## -नई तकनीक नौकरियां खत्म नहीं करती, काम का स्वरूप बदलकर नए अवसर पैदा करती है

तकनीक की हर बड़ी छलांग अपने साथ एक बड़ा डर भी लेकर आती है—क्या मशीनें इंसानों की नौकरियां छीन लेंगी? इतिहास गवाह है कि जब भी कोई नई तकनीक आई, यह सवाल जरूर उठा। भाप के इंजन से लेकर कंप्यूटर और इंटरनेट तक, हर दौर में लोगों ने यही अंदेशा जताया कि अब इंसानी श्रम की ज़रूरत कम हो जाएगी। लेकिन अब तक ऐसा कभी व्यापक स्तर पर सच साबित नहीं हुआ। हां, नौकरियों का स्वरूप बदला, काम करने का तरीका बदला, उद्योग बदले—मगर इंसान काम से बाहर नहीं हुआ। आज यही बहस एक बार फिर तेज है, और इस बार केंद्र में है — आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)। फर्क इतना है कि एआई केवल मशीन नहीं, बल्कि “सोचने” और “सीखने” की क्षमता वाला सिस्टम है। इसलिए डर भी पहले से ज्यादा गहरा महसूस होता है। बहुत से लोग मानते हैं कि एआई इस बार सच में इंसानी काम की जगह ले सकता है। लेकिन इस पूरे विमर्श में एक अहम पहलू अक्सर नज़रअंदाज़ हो जाता है — दुनिया तेजी से लेबर-शॉर्टेज (श्रमिकों की कमी) की तरफ बढ़ रही है। ऐसे में एआई बेरोज़गारी नहीं, बल्कि राहत भी दे सकता है।

**तकनीकी क्रांतियां और नौकरियों का सच**

अगर हम पिछली तकनीकी क्रांतियों पर नज़र डालें, तो पाएंगे कि उन्होंने नौकरियां खत्म कम, बदली ज्यादा हैं।

19वीं सदी में जब मशीनों ने खेती में प्रवेश किया, तो लाखों लोगों को लगा कि खेतों में काम खत्म हो जाएगा। हुआ यह कि लोग खेतों से निकलकर कारखानों में काम करने लगे। बाद में औद्योगिक क्षेत्र से सेवा क्षेत्र में बड़ी शिफ्ट हुई। जब मोटरगाड़ियों ने घोड़ागाड़ियों की जगह ली, तो तांगा चालकों की रोज़ी पर खतरा आया। लेकिन उसी दौर में ट्रक ड्राइवर, टैक्सी चालक, मैकेनिक और ऑटोमोबाइल इंजीनियर जैसे नए पेशे पैदा हुए। 1970 के दशक में एटीएम मशीनों के आने पर कहा गया कि बैंक कर्मचारियों की ज़रूरत खत्म हो जाएगी। मगर हुआ उल्टा—बैंकों की लागत कम हुई, शाखाएं बढ़ीं और बैंकिंग सेवाएं ज्यादा फैल गईं, जिससे नए पद भी बने। 1990 के बाद इंटरनेट आया। उसने कुछ पारंपरिक नौकरियां जरूर खत्म कीं, लेकिन उससे कहीं ज्यादा नए जॉब रोल पैदा हुए—वेब डेवलपर, डिजिटल मार्केटर, कंटेंट क्रिएटर, डेटा एनालिस्ट, ऐप डेवलपर जैसे दर्जनों पेशे जन्मे। इतिहास का यह पैटर्न बताता है कि तकनीक उद्योग बदलती है, काम की प्रकृति बदलती है—मगर काम खत्म नहीं करती।

**एआई का डर क्यों ज्यादा है?**

एआई को लेकर डर इसलिए ज्यादा है क्योंकि यह सिर्फ शारीरिक काम नहीं, बल्कि दिमागी काम भी कर सकता है। यह लेख लिख सकता है, कोड बना सकता है, मेडिकल रिपोर्ट पढ़ सकता है, डिज़ाइन तैयार कर सकता है, यहां तक कि बातचीत भी कर सकता है। पहली बार ऐसा लग रहा है कि मशीन “बौद्धिक” काम में भी इंसान की टक्कर की हो सकती है। इससे वाइट-कॉलर जॉब्स यानी ऑफिस और प्रोफेशनल नौकरियों को लेकर भी चिंता बढ़ी है। लेकिन इस तस्वीर का दूसरा पहलू भी है—एआई अभी भी इंसान की निगरानी, निर्देश और सुधार पर निर्भर है। यह अपने आप लक्ष्य तय नहीं करता, न ही सामाजिक समझ रखता है। इसका मतलब है कि एआई इंसान को रिप्लेस नहीं, बल्कि ऑगमेंट (सहयोग) ज्यादा करता है।

**दुनिया लेबर-शॉर्टेज की ओर बढ़ रही है**

एआई पर चर्चा करते समय सबसे महत्वपूर्ण फैक्टर है — जनसांख्यिकी (डेमोग्राफी)। पिछले चार दशकों में उन देशों की संख्या तेजी से बढ़ी है जहां कामकाजी उम्र की आबादी घट रही है। अब ऐसे देशों की संख्या 50 से ज्यादा हो चुकी है, जिनमें कई बड़ी अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं। चीन में जन्म दर ऐतिहासिक रूप से सबसे नीचे पहुंच गई है। जापान में जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या 19वीं सदी के स्तर तक गिर गई है। यूरोप के कई देशों में आबादी बूढ़ी हो रही है। वैश्विक प्रजनन दर उस स्तर से नीचे जा रही है जो आबादी को स्थिर रखने के लिए जरूरी होती है। इसका सीधा असर यह होगा कि आने वाले दशकों में काम करने वाले लोगों की संख्या कम होगी, जबकि बुजुर्गों की संख्या बढ़ेगी। इसका मतलब है — कम कामगार, ज्यादा निर्भर आबादी, बढ़ता आर्थिक दबाव, ऐसे माहौल में एआई और ऑटोमेशन अर्थव्यवस्था के लिए सहारा बन सकते हैं।

**उत्पादकता बढ़ाने में एआई की भूमिका**

एआई का सबसे बड़ा फायदा है — उत्पादकता (प्रोडक्टिविटी) में बढ़ोतरी। एक कर्मचारी एआई टूल्स की मदद से पहले से ज्यादा काम कम समय में कर सकता है। उदाहरण के लिए: डॉक्टर एआई से रिपोर्ट विश्लेषण तेज कर सकते हैं, वकील केस रिसर्च जल्दी कर सकते हैं, पत्रकार डेटा छांटने में समय बचा सकते हैं, इंजीनियर डिज़ाइन और सिमुलेशन जल्दी कर सकते हैं, इससे कुल उत्पादन बढ़ता है, जबकि श्रमबल कम होने की समस्या का असर घटता है। यानी एआई कम कामगारों के साथ भी अर्थव्यवस्था को चलाए रखने में मददगार हो सकता है।

**क्या एआई बेरोज़गारी बढ़ाएगा?**

यह कहना कि एआई बिल्कुल भी बेरोज़गारी नहीं बढ़ाएगा — सही नहीं होगा। कुछ क्षेत्रों में जॉब रोल जरूर कम होंगे, खासकर वे काम जो दोहराव वाले हैं और नियम आधारित हैं।

जैसे: बेसिक डेटा एंट्री,साधारण कस्टमर सपोर्ट, रूटीन अकाउंटिंग, सामान्य कंटेंट ड्राफ्टिंग, लेकिन साथ ही नए जॉब रोल भी तेजी से बन रहे हैं: एआई ट्रेनर, प्रॉम्प्ट इंजीनियर, एआई प्रोडक्ट मैनेजर, एआई एथिक्स स्पेशलिस्ट, डेटा क्यूरेटर, ह्यमन-एआई इंटरैक्शन डिज़ाइनर, अमेरिका में आज जो नई नौकरियां पैदा हो रही हैं, उनमें बड़ी संख्या उन श्रेणियों की है जो 20–25 साल पहले मौजूद ही नहीं थीं। यही ट्रेंड आगे भी जारी रहने की उम्मीद है।

**रोबोट और रोजगार: जापान का अनुभव**

जापान एक दिलचस्प मिसाल है। वहां रोबोटिक्स और ऑटोमेशन का इस्तेमाल दुनिया में सबसे ज्यादा है। फिर भी वहां बेरोज़गारी दर लंबे समय से कम बनी हुई है। क्यों? क्योंकि जापान में आबादी तेजी से बूढ़ी हो रही है और युवा कामगार कम हैं। रोबोट्स ने वहां नौकरियां छीनी नहीं, बल्कि कमी पूरी की है। यह मॉडल बताता है कि जहां लेबर-शॉर्टेज है, वहां एआई और रोबोट्स रोजगार विरोधी नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था समर्थक बन सकते हैं।

**राजनीतिक और सामाजिक प्रतिक्रिया भी मायने रखती है**

अगर भविष्य में एआई से बड़े पैमाने पर नौकरियां खतरे में पड़ती हैं, तो समाज और राजनीति चुप नहीं बैठेंगे। इतिहास बताता है कि जब भी बड़े स्तर पर रोजगार संकट आया, सरकारों को दखल देना पड़ा। 2000 के दशक में “चाइना-शॉक” के कारण अमेरिका के औद्योगिक क्षेत्रों में लाखों फैक्टरी मजदूरों की नौकरी गई। इससे राजनीतिक असंतोष बढ़ा और नीतियों में बदलाव की मांग उठी। उसी तरह अगर एआई का असर बहुत तेज और असंतुलित हुआ, तो संभव है: रेगुलेशन आए, ऑटोमेशन की गति पर नियंत्रण हो, री-स्किलिंग प्रोग्राम चलें, सोशल सेफ्टी नेट मजबूत किए जाएं, मतलब — एआई का विस्तार “बेरोकटोक” नहीं होगा।

**काम का भविष्य: इंसान + एआई**

भविष्य का कार्यस्थल पूरी तरह मशीनों का नहीं होगा। सबसे असरदार मॉडल होगा — इंसान + एआई का सहयोग।

इंसान की ताकतें: रचनात्मकता, नैतिक निर्णय, सामाजिक समझ, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, नेतृत्व

एआई की ताकतें: तेज गणना, बड़े डेटा का विश्लेषण, पैटर्न पहचान, दोहराव वाले काम, जब दोनों साथ काम करेंगे, तब परिणाम बेहतर होंगे।

**स्किल बदलनी होगी, मानसिकता भी**

एआई के दौर में सबसे जरूरी होगा — स्किल अपग्रेड। डिग्री से ज्यादा अहम होगा सीखते रहने का जज़्बा। भविष्य की अहम स्किल्स: क्रिटिकल थिंकिंग, समस्या समाधान, डिजिटल समझ, एआई टूल्स का उपयोग, कम्युनिकेशन, क्रिएटिविटी, जो लोग नई स्किल सीखने को तैयार रहेंगे, उनके लिए मौके कम नहीं होंगे। एआई को केवल नौकरी खाने वाली तकनीक के रूप में देखना अधूरा नजरिया है। सही तस्वीर यह है कि दुनिया एक साथ दो बदलावों से गुजर रही है — तकनीकी क्रांति (एआई) जनसंख्या में गिरावट और लेबर-शॉर्टेज, इन दोनों को साथ रखकर देखें तो एआई बेरोज़गारी का तूफान नहीं, बल्कि श्रम की कमी से जूझती अर्थव्यवस्था के लिए सहारा भी बन सकता है।

# सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र में भारी निवेश ही स्वस्थ, समान और न्यायपूर्ण भारत के निर्माण की असली आधारशिला है आज जरूरी

## -मुनाफा आधारित इलाज मॉडल से बाहर निकलकर सबके लिए मजबूत सरकारी हेल्थकेयर व्यवस्था बनानी होगी

फिल्म ‘हजारों ख्वाहिशें ऐसी’ का एक मार्मिक दृश्य याद आता है। गुस्साए मजदूर एक जमींदार को सजा देना चाहते हैं। माहौल तनाव से भरा है। लेकिन अचानक जमींदार को दिल का दौरा पड़ जाता है। वही मजदूर, जो कुछ देर पहले उसे मारने पर आमादा थे, उसकी जान बचाने के लिए दौड़ पड़ते हैं। यह दृश्य हमें एक बुनियादी सच बताता है—बीमारी और इलाज के सवाल पर इंसानियत, दुश्मनी से ऊपर होती है। स्वास्थ्य सेवा का हक हर व्यक्ति का है, चाहे वह अमीर हो या गरीब, अपना हो या पराया। यही सोच आधुनिक लोकतांत्रिक समाजों में सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा (Universal Healthcare) की बुनियाद बनी। दुनिया के कई देशों ने यह माना कि इलाज कोई लग्ज़री नहीं, बल्कि बुनियादी अधिकार है। इसलिए स्वास्थ्य सेवाओं को मुनाफे का कारोबार बनाने के बजाय सार्वजनिक जिम्मेदारी के तौर पर विकसित किया गया। भारत जैसे बड़े और विविध देश के लिए भी यह सवाल बेहद अहम है कि क्या हम स्वास्थ्य को अधिकार मानते हैं या बाजार का उत्पाद?

**स्वास्थ्य सेवा: अधिकार या व्यापार?**

स्वास्थ्य सेवा की दो बुनियादी सोचें हैं। पहली—इसे एक सार्वजनिक सेवा माना जाए, जिसे सरकार अपनी जिम्मेदारी के तहत सभी नागरिकों को उपलब्ध कराए। दूसरी—इसे एक बाजार आधारित सेवा माना जाए, जहां इलाज खरीदने की क्षमता ही पहुंच तय करती है। दुर्भाग्य से भारत में दूसरी सोच धीरे-धीरे मजबूत होती गई है। जब इलाज मुनाफे के मॉडल पर चलता है, तो अस्पताल और दवा कंपनियां मरीज को ग्राहक की तरह देखने लगती हैं। इलाज की जरूरत और गुणवत्ता से ज्यादा ध्यान बिल, पैकेज और प्रोसीजर पर जाता है। इससे स्वास्थ्य सेवा का मूल मकसद—रोगी को राहत—पीछे छूट जाता है।

**दुनिया के अनुभव: सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा का मॉडल**

कई देशों ने काफी पहले यह समझ लिया था कि मजबूत राष्ट्र वही है जहां नागरिक स्वस्थ हों। सोवियत रूस उन शुरुआती देशों में था जिसने सभी नागरिकों को मुफ्त सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा देने का सिस्टम बनाया। इसके बाद 1930 के दशक में श्रीलंका और न्यूजीलैंड ने सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवाएं शुरू कीं। 1948 में ब्रिटेन ने नेशनल हेल्थ सर्विस (NHS) की स्थापना की—एक ऐसा मॉडल जहां हर नागरिक को टैक्स के जरिए वित्तपोषित मुफ्त इलाज मिलता है। आज भी ब्रिटेन की NHS दुनिया के सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्रों में गिनी जाती है। कनाडा ने सामाजिक स्वास्थ्य बीमा का मॉडल अपनाया। वहां हर नागरिक एक अनिवार्य और सार्वभौमिक बीमा योजना के तहत कवर है। इलाज का खर्च सरकार और सामाजिक बीमा सिस्टम उठाता है। वहां निजी अस्पताल भी हैं, लेकिन ज्यादातर गैर-लाभकारी हैं और कड़े नियमों के तहत चलते हैं। यूरोप के अधिकांश देशों—जर्मनी, फ्रांस, नॉर्डिक देशों—मं भी सामाजिक बीमा और सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं का मिश्रित मॉडल है, लेकिन एक बात कॉमन है: स्वास्थ्य सेवा का मकसद मुनाफा नहीं, जनकल्याण है। मुख्य अपवाद अमेरिका रहा है, जहां लंबे समय तक स्वास्थ्य सेवा मुख्यतः निजी बीमा और निजी अस्पतालों पर आधारित रही। नतीजा—दुनिया का सबसे महंगा हेल्थ सिस्टम, लेकिन स्वास्थ्य सूचकांक कई विकसित देशों से कमजोर।

**भारत की हकीकत: कागज पर मुफ्त, जमीन पर महंगा इलाज**

भारत में सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों को कागज पर मुफ्त बताया जाता है। लेकिन जमीनी सच्चाई कुछ और है। अक्सर मरीजों को दवाइयां बाहर से खरीदनी पड़ती हैं, जांच निजी लैब में करानी पड़ती है, और कई सेवाओं के लिए जेब से खर्च करना पड़ता है। सरकारी अस्पतालों में भीड़, डॉक्टरों और स्टाफ की कमी, उपकरणों की खराब हालत और लंबी कतारें आम बात हैं। ग्रामीण इलाकों में तो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी पूरी तरह कार्यशील नहीं मिलते। नतीजतन, मरीज मजबूर होकर निजी अस्पतालों की तरफ जाते हैं। निजी अस्पतालों में फीस बहुत ज्यादा होती है। लेकिन ज्यादा फीस का मतलब बेहतर सेवा हो—यह भी तय नहीं। कई बार अनावश्यक जांच, गैर-जरूरी ऑपरेशन और महंगे पैकेज थोपे जाने की शिकायतें सामने आती रहती हैं।

**स्वास्थ्य बीमा योजनाएं: राहत या नया जाल?**

हाल के वर्षों में सरकार ने बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य बीमा योजनाएं शुरू की हैं, जैसे आयुष्मान भारत (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना), जो करोड़ों लोगों को सालाना 5 लाख रुपये तक का कवर देती है। राज्य सरकारों की भी अपनी योजनाएं हैं। पहली नजर में यह बड़ी राहत लगती है। लेकिन गहराई से देखें तो कुछ सवाल खड़े होते हैं: इन योजनाओं का बड़ा हिस्सा निजी अस्पतालों के जरिए लागू होता है, पैनल में शामिल अस्पतालों का बड़ा प्रतिशत लाभ कमाने वाले संस्थान हैं कुल खर्च का बड़ा हिस्सा इन्हीं निजी अस्पतालों को जाता है, कई जगह मरीजों से अतिरिक्त शुल्क वसूले जाने की शिकायतें आती हैं, इस तरह बीमा योजनाएं सीधे सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के बजाय निजी क्षेत्र पर निर्भरता बढ़ाती हैं। सामाजिक बीमा मॉडल में जहां गैर-लाभकारी संस्थाओं की बड़ी भूमिका होती है, वहीं भारत में बीमा मॉडल मुनाफा आधारित ढांचे को मजबूत कर रहा है।

**बाजार मॉडल स्वास्थ्य सेवा में क्यों फेल होता है?**

अर्थशास्त्र कहता है कि बाजार तब अच्छा काम करता है जब ग्राहक के पास जानकारी और विकल्प दोनों हों। लेकिन स्वास्थ्य सेवा में यह शर्त पूरी नहीं होती। जब आप कपड़ा या मोबाइल खरीदते हैं, तो तुलना कर सकते हैं। दाम, गुणवत्ता, फीचर देख सकते हैं। लेकिन जब आप बीमार होते हैं, तो आप कमजोर स्थिति में होते हैं। आपको तुरंत इलाज चाहिए। आप डॉक्टर की सलाह पर निर्भर होते हैं। आप यह तय नहीं कर सकते कि कौन सी जांच जरूरी है और कौन सी नहीं। इस जानकारी की असमानता (information asymmetry) का फायदा उठाकर शोषण की गुंजाइश बढ़ जाती है।

# संकट से शिखर तक महिंद्रा एंड महिंद्रा की कहानी जिसने एसयूवी रणनीति से बदली भारतीय ऑटो इंडस्ट्री की तस्वीर पूरी

## -कार बाजार छोड़ने की सलाह से टॉप ऑटो कंपनी बनने तक का प्रेरक सफर आज

भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर में आज महिंद्रा एंड महिंद्रा एक मजबूत, भरोसेमंद और इनोवेटिव ब्रांड के रूप में खड़ी है। लेकिन यह मुकाम उन्हें आसानी से नहीं मिला। 90 के दशक में हालात ऐसे थे कि एक कंसल्टिंग फर्म ने कंपनी को सलाह दे दी थी कि वह कार बाजार से बाहर हो जाए। माना जा रहा था कि विदेशी कंपनियों के सामने महिंद्रा टिक नहीं पाएगी। उनकी गाड़ियां “कार” नहीं बल्कि सिर्फ “यूटिलिटी व्हीकल” समझी जाती थीं। आज वही महिंद्रा एसयूवी सेगमेंट की बड़ी ताकत है, इलेक्ट्रिक वाहनों में टॉप कंपनियों में शामिल है और देश की अग्रणी ऑटो कंपनियों में गिनी जाती है। यह सफर सिर्फ बिज़नेस ग्रोथ नहीं, बल्कि विज़न, रिस्क लेने की हिम्मत और अपनी ताकत पहचानने की मिसाल है। आइए, विस्तार से समझते हैं महिंद्रा एंड महिंद्रा की पूरी कहानी और उससे मिलने वाले बड़े सबक।

**90 के दशक का दौर: जब कार बाजार छोड़ने की सलाह मिली**

एक दिलचस्प किस्सा आनंद महिंद्रा ने खुद साझा किया था। एक बार फ्लाइट में आईसीआईसीआई बैंक के हेड के.वी. कामत ने उनसे कहा कि जब स्कॉर्पियो प्रोजेक्ट शुरू हुआ था, तब बोर्ड के कई मेंबर्स का मानना था कि अगर यह प्रोजेक्ट फेल हो गया तो आनंद महिंद्रा को बाहर का रास्ता दिखा दिया जाएगा। उस समय कंपनी के पास खुद की विकसित कार टेक्नोलॉजी नहीं थी। महिंद्रा की पहचान ट्रैक्टर और यूटिलिटी व्हीकल बनाने वाली कंपनी के रूप में थी। कमांडर और अर्माडा जैसे मॉडल्स को लोग कार मानते ही नहीं थे। मारुति और हुंडई जैसे ब्रांड शहरों में कार मार्केट पर कब्जा जमा रहे थे। ऐसे माहौल में महिंद्रा का खुद की नई एसयूवी बनाना बहुत बड़ा रिस्क था।

**शुरुआत: स्टील ट्रेडिंग से जीप असेंबली तक**

महिंद्रा एंड महिंद्रा की नींव 1945 में लुधियाना में रखी गई थी। जगदीशचंद्र महिंद्रा और कैलाशचंद्र महिंद्रा ने अपने साथी मलिक गुलाम मोहम्मद के साथ मिलकर स्टील ट्रेडिंग कंपनी शुरू की थी। शुरुआत में कंपनी का नाम महिंद्रा एंड मोहम्मद था। 1947 में विभाजन के बाद गुलाम मोहम्मद पाकिस्तान चले गए और कंपनी का नाम बदलकर महिंद्रा एंड महिंद्रा कर दिया गया। 1949 में कंपनी ने अमेरिकी कंपनी विलीज ओवरलैंड के साथ करार कर भारत में जीप असेंबल करना शुरू किया। यहीं से महिंद्रा की ऑटो यात्रा शुरू हुई।

**सबसे बड़ा संकट: 1997 से 2002 का मुश्किल दौर**

महिंद्रा के इतिहास का सबसे कठिन समय 1997 से 2002 के बीच माना जाता है। कंपनी के पास कोई मॉडर्न कार प्लेटफॉर्म नहीं था, टेक्नोलॉजी पुरानी थी, मॉडल्स आउटडेटेड हो चुके थे, शहरों में ब्रांड की पकड़ कमजोर थी, कार मार्केट में विदेशी कंपनियां तेजी से बढ़ रही थीं, बोलेरो 2000 में लॉन्च हुई और ग्रामीण इलाकों में लोकप्रिय भी हुई, लेकिन वह मल्टी-यूटिलिटी वाहन थी, शहरी कार मार्केट की जरूरत पूरी नहीं करती थी।, उस समय इंडस्ट्री में यह चर्चा आम थी कि महिंद्रा का ऑटो डिवीजन बंद हो सकता है।

**संकट के 4 बड़े कारण**

ट्रैक्टर कंपनी की इमेज: महिंद्रा की सबसे बड़ी समस्या उसकी ब्रांड इमेज थी। लोग उन्हें ट्रैक्टर और पुलिस गाड़ियों का निर्माता मानते थे। उनकी गाड़ियों में शोर और वाइब्रेशन ज्यादा होता था।

कमजोर टेक्नोलॉजी: कंपनी के पास अपना इंजन और प्लेटफॉर्म नहीं था। पुरानी जीप के चेसिस पर नए मॉडल तैयार किए जा रहे थे।

फोर्ड के साथ असफल साझेदारी: 1995 में फोर्ड के साथ मिलकर फोर्ड एस्कॉर्ट लॉन्च की गई। उम्मीद थी कि इससे टेक्नोलॉजी ट्रांसफर होगा, लेकिन मॉडल फ्लॉप रहा। न मार्केट मिला, न सीख।

डीजल पर अधिक निर्भरता: उस दौर में पेट्रोल कारों की मांग बढ़ रही थी क्योंकि वे सस्ती थीं। महिंद्रा की अधिकतर गाड़ियां डीजल आधारित थीं।

**टर्निंग पॉइंट: स्कॉर्पियो की एंट्री**

2002 में लॉन्च हुई स्कॉर्पियो महिंद्रा के लिए गेमचेंजर साबित हुई। यह कंपनी की पहली ऐसी गाड़ी थी जिसे बड़े पैमाने पर खुद डिजाइन और डेवलप किया गया, इंटरनेशनल लेवल की इंजीनियरिंग अपनाई गई, मजबूत लुक, पावरफुल परफॉर्मेंस और भारतीय सड़कों के हिसाब से डिजाइन, स्कॉर्पियो ने बाजार को साफ संदेश दिया — महिंद्रा अब सिर्फ ट्रैक्टर कंपनी नहीं, बल्कि वर्ल्ड क्लास एसयूवी निर्माता है।

**बोलेरो: टिके रहने की ताकत**

हालांकि बोलेरो 2000 में आ चुकी थी, लेकिन उसका असली असर धीरे-धीरे दिखा। ग्रामीण और अर्ध-शहरी बाजार में जबरदस्त स्वीकार्यता, मजबूत बॉडी, कम मेंटेनेंस, खराब रास्तों पर भरोसेमंद, बोलेरो ने कंपनी को नकदी प्रवाह (कैश फ्लो) दिया और स्कॉर्पियो जैसे नए प्रोजेक्ट्स में निवेश का रास्ता खोला।

**एक्सयूवी500: प्रीमियम सेगमेंट में एंट्री**

2011 में महिंद्रा ने XUV500 लॉन्च की — यह कंपनी की पहली मोनोकॉक चेसिस वाली गाड़ी थी। मोनोकॉक डिजाइन में बॉडी और चेसिस एक यूनिट होते हैं, जिससे गाड़ी ज्यादा स्टेबल और कंफर्टेबल बनती है। इंटरनेशनल डिजाइन, एडवांस फीचर्स, प्रीमियम इंटीरियर, बेहतर सेफ्टी, इस मॉडल ने महिंद्रा को प्रीमियम एसयूवी प्लेयर बना दिया।

**सेफ्टी और फीचर्स पर जोर**

महिंद्रा ने समय के साथ सेफ्टी और टेक्नोलॉजी पर बड़ा दांव लगाया। एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (ADAS), 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग वाले मॉडल, कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी, प्रीमियम फीचर्स, इससे ब्रांड की छवि मजबूत और मॉडर्न बनी।

**फोकस की स्ट्रैटेजी: एसयूवी पर पूरा ध्यान**

महिंद्रा ने एक अहम फैसला लिया — सेडान और छोटी कारों में संसाधन खर्च करने के बजाय एसयूवी पर पूरा फोकस किया जाए। वेरिटो जैसे मॉडल बंद, KUV100 जैसी छोटी गाड़ियां बंद, थार, स्कॉर्पियो, XUV, बोलेरो लाइन मजबूत, यह “फोकस स्ट्रैटेजी” कंपनी के लिए बहुत काम आई।

**इलेक्ट्रिक वाहनों में भी मजबूत उपस्थिति**

आज महिंद्रा इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में भी तेज़ी से आगे बढ़ रही है।

# मुख्यमंत्री बोले—शिविरों में लें योजनाओं का पूरा लाभ, दो साल में पांच साल से ज्यादा काम

## -डीडवाना-कुचामन को 529 करोड़ की मंजूरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। हमारी सरकार गांवों के उत्थान के लिए निरंतर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेशभर में लगाए जा रहे ग्राम उत्थान शिविर सरकार की जनता के प्रति जवाबदेही का प्रतीक है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि इन शिविरों में जाकर सरकारी योजनाओं की पूरी जानकारी लें और उनका भरपूर लाभ उठाएं। शर्मा शुक्रवार को लाडनूं में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर एवं जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि राजस्थान का किसान, गरीब, पशुपालक सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे। इसी सोच के साथ हमारी सरकार ने प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर ग्राम उत्थान शिविरों की शुरुआत की है जिससे ग्रामीणों को घर के नजदीक ही राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जा सके।

**प्रधानमंत्री के ग्रामीण भारत को सशक्त करने के लिए उठाए अनेक कदम-**

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ग्रामीण भारत को सशक्त करने के लिए विकसित भारत जी राम जी कानून लेकर आई है। इस कानून से ग्रामीण क्षेत्रों में साल में 125 दिन का पक्का रोजगार मिलेगा। हर काम डिजिटल तरीके से रिकॉर्ड होगा। इससे पूरी पारदर्शिता व तकनीक के सहारे काम होगा और मजदूरी सीधे लाभार्थी के खाते में पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि इस कानून के तहत गांव में स्थायी संपत्ति बनेगी।

**ग्राम उत्थान शिविर से ग्रामीणों के मौके पर हो रहे काम-**

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक प्रदेश में 1500 से ज्यादा ग्राम उत्थान शिविर लगाकर 77 लाख से अधिक काम किए गए है। आमजन को 98 हजार से ज्यादा सोइल हेल्थ कार्ड तथा 55 हजार से अधिक स्वामित्व कार्ड वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन शिविरों में 30 हजार किसान क्रेडिट कार्ड के आवेदन, 5 लाख 10 हजार पशुधन का इलाज तथा 77 हजार से अधिक पशुओं का टीकाकरण किया गया है। साथ ही, पीएम सूर्य घर योजना के तहत करीब 29 हजार पंजीकरण हुए है। उन्होंने कहा कि इन शिविरों में किसानों को तारबंदी, डिग्गी, पाइप लाइन, सोलर पंप, फव्वारा सिंचाई जैसी योजनाओं की स्वीकृति से लेकर प्राथमिक डेयरी सहकारी समितियों और डेयरी सहकारी समितियों का पंजीकरण, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास आवंटन सहित विभिन्न कार्य करवाए जा रहे है। हमने किसानों के लिए दो साल में किए अनेक काम,

**गत सरकार पूरे पांच साल में नहीं कर पाई-**

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार के दो साल के काम गत सरकार के पूरे पांच साल की तुलना में कई गुना ज्यादा है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा दो साल में किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमने नहरी तंत्र से 99 हजार 562 हैक्टेयर में सिंचाई सुविधा सृजित की। जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल के प्रथम दो वर्ष में 17 हजार 448 हैक्टेयर तथा पूरे पांच साल में केवल 52 हजार 182 हैक्टेयर क्षेत्र में ही सिंचाई सुविधा दी।

# इंडिया स्टोनमार्ट 2026: आर्किटेक्चर फेस्टिवल का शुभारंभ

## -दुनिया भर के धार्मिक-ऐतिहासिक स्थलों में राजस्थान के पत्थर की पहचान- दिया कुमारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। इंडिया स्टोनमार्ट 2026 के तहत आयोजित आर्किटेक्चर फेस्टिवल का शुभारंभ जयपुर में सीतापुरा स्थित जेईसीसी परिसर में भव्य समारोह के साथ किया गया। इस मौके पर राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और 12वें ऑल इंडिया स्टोन आर्किटेक्चर अवॉर्ड्स 2025 के विजेताओं को सम्मानित किया। समारोह में देशभर से आए आर्किटेक्ट, शिल्पकार, उद्योग प्रतिनिधि और हस्तशिल्प से जुड़े विशेषज्ञ बड़ी तादाद में मौजूद रहे। कार्यक्रम का मुख्य मकसद पत्थर आधारित स्थापत्य कला, पारंपरिक शिल्प और आधुनिक आर्किटेक्चर के बीच तालमेल को बढ़ावा देना है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि इंडिया स्टोनमार्ट 2026 न केवल एक औद्योगिक आयोजन है, बल्कि यह राजस्थान की समृद्ध स्थापत्य विरासत और पत्थर उद्योग की वैश्विक पहचान को मजबूत करने का बड़ा प्लेटफॉर्म है। उन्होंने बताया कि राजस्थान का पत्थर अपनी मजबूती, खूबसूरती और टिकाऊपन के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। देश के कई बड़े धार्मिक स्थलों, ऐतिहासिक

इमारतों और प्रतिष्ठित होटलों में राजस्थान के पत्थर का व्यापक इस्तेमाल हुआ है, जो प्रदेश के लिए फख्र की बात है। उन्होंने खास तौर पर राम मंदिर, अक्षरधाम मंदिर और अन्य प्रसिद्ध धार्मिक परिसरों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन भव्य निर्माणों में राजस्थान के पत्थर की अहम भूमिका रही है। इसके अलावा कई अंतरराष्ट्रीय स्तर की इमारतों और होटल प्रोजेक्ट्स में भी यहां का मार्बल और स्टोन लगाया गया है। यह इस बात का सबूत है कि राजस्थान की धरती केवल संस्कृति और इतिहास में ही नहीं, बल्कि निर्माण सामग्री के क्षेत्र में भी दुनिया को दिशा दे रही है। दिया कुमारी ने कहा कि यह आयोजन हैंडीक्राफ्ट, हस्तशिल्प और मार्बल इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के लिए सुनहरा मौका है। खासकर छोटे कारीगरों, शिल्पकारों और लोकल उद्योग से जुड़े लोगों को इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच बनाने का अवसर मिलेगा। ऐसे प्लेटफॉर्म पर नई टेक्नोलॉजी, डिजाइन ट्रेंड और मार्केट की मांग को समझने का मौका मिलता है, जिससे उनके काम में निखार आता है और निर्यात के रास्ते भी खुलते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्र "विकास भी और विरासत भी" का जिक्र करते हुए कहा कि आधुनिक विकास के साथ हमारी पुरानी विरासत और पारंपरिक स्थापत्य शैली को भी साथ लेकर चलना जरूरी है। पुरानी ऐतिहासिक इमारतों में जो डिजाइन, नक्काशी और निर्माण तकनीक दिखाई देती है, उसे नई इमारतों में अपनाने से हमारी सांस्कृतिक पहचान भी बनी रहेगी और आधुनिकता भी आगे बढ़ेगी। जयपुर के संदर्भ में उन्होंने कहा कि यह शहर विश्व वास्तुकला के नक्शे पर एक खास जगह रखता है। जयपुर को दुनिया की पहली प्लान्ड सिटी माना जाता है, जहां सड़कें, बाजार और भवन एक तय योजना के तहत बनाए गए थे। गुलाबी शहर की पहचान उसकी इमारतों की खास बनावट, पत्थर की नक्काशी और संतुलित डिजाइन से है। यही वजह है कि जयपुर का आर्किटेक्चर आज भी दुनिया भर के वास्तु विशेषज्ञों के लिए अध्ययन का विषय बना हुआ है। समारोह में लघु उद्योग भारती और सीडोस (CII-CEDOS जैसे संगठनों) के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया और पत्थर उद्योग के भविष्य, निर्यात संभावनाओं और डिजाइन इनोवेशन पर चर्चा की। आर्किटेक्ट्स और डिजाइन एक्सपर्ट्स ने भी अपने अनुभव साझा किए। कुल मिलाकर, इंडिया स्टोनमार्ट 2026 के तहत शुरू हुआ यह आर्किटेक्चर फेस्टिवल परंपरा और आधुनिकता के संगम को मजबूत करने वाला एक अहम कदम माना जा रहा है।

# सवाईमाधोपुर में 'भविष्य की उड़ान' बनी जनआंदोलन, 37 करोड़ से 700 स्कूलों की बदली तस्वीर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री जन सहभागिता योजना का सवाईमाधोपुर मॉडल सफलता की उड़ान भर रहा है। इस योजना में 40 प्रतिशत राशि जनसहयोग से एकत्र होने पर बाकी 60 प्रतिशत राशि राज्य सरकार देती है जिससे सरकारी विद्यालयों में सुविधाओं का विकास किया जाता है। यह योजना सवाईमाधोपुर जिले में बहुत सफल रही है। जिला प्रशासन सवाई माधोपुर के विशिष्ट नवाचार 'भविष्य की उड़ान' में सहभागी बनने वाले 541 भामाशाहों और 29 प्रेरकों के लिए जिला प्रशासन द्वारा शुक्रवार को सार्वजनिक सम्मान समारोह आयोजित हुआ। यह अभिनव योजना सामुदायिक कल्याण में जन सहभागिता की सफलता का उत्कृष्ट प्रमाण है, जिसमें आम ग्रामीणों, राजकीय विद्यालयों के शिक्षक-कार्मिकों एवं पूर्व विद्यार्थियों तथा अन्य भामाशाहों से अब तक 37 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्राप्त हुई है। समारोह के मुख्य अतिथि जिला कलक्टर काना राम ने भविष्य की उड़ान योजना की सफलता के लिए जिलावासियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यहां के निवासी शिक्षक, अधिकारी-कर्मचारी, स्थानीय व्यवसायी, आम लोग सभी इस योजना के जरिए योगदान कर रहे हैं। यह अच्छी पहल है। इससे बच्चों के लिए विद्यालयों में

बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। अपने क्षेत्र में सुविधाओं के लिए योगदान कर रहे जिले के भामाशाहों को सम्मानित करना एक सुखद अनुभव है। यह चतुर्थ जिला स्तरीय भामाशाह एवं प्रेरक सम्मान समारोह शिक्षा विभाग और महिला अधिकारिता विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुडानिया भी उपस्थित थे। जिला कलक्टर ने भविष्य की उड़ान योजना की सफलता का श्रेय पूर्व जिला कलक्टर सुरेश ओला को देते हुए कहा कि उनके द्वारा लगाया गया यह पौधा अब बड़ा वृक्ष बन चुका है। समाज में हर वर्ग और व्यवसाय के लोग इसमें सहभागी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 6 करोड़ रुपये का योगदान देने वाले भामाशाहों का आज सम्मान किया जा रहा है। इस योजना में प्राप्त राशि के साथ मुख्यमंत्री जन सहभागिता योजना की हिस्सा राशि मिलाकर राजकीय विद्यालयों में विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। आने वाले समय में भविष्य की उड़ान योजना और अधिक भव्य रूप में सामने आएगी। ग्रामीण सामाजिक उत्तरदायित्व योजना :- काना राम ने कहा कि सवाई माधोपुर जिले के विद्यालयों में बेहतर सुविधाओं के लिए अलग-अलग व्यवसायों की ओर से व्यावसायिक सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत राशि दी गई है लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय लोगों द्वारा दिया गया सहयोग अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इसे ग्रामीण सामाजिक उत्तरदायित्व (जीएसआर) कहा जाना चाहिए। ग्रामीणों ने अपने बच्चों के भविष्य के लिए छोटी-छोटी राशि देकर बड़ा योगदान दिया है। आने वाले दिनों में और अधिक संख्या में लोग इस पहल के साथ जुड़ेंगे। इस प्रकार यह योजना एक बड़ा बदलाव साबित होगी।

# विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने किया एक करोड़ से अधिक राशि के विकास कार्यों को शुभारम्भ

## -कहा-विकास की गति जारी रहेगी, अजमेर उत्तर में सड़क विकास पर 110 करोड़ खर्च

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को अजमेर शहर में विभिन्न स्थानों पर एक करोड़ से अधिक राशि के विकास कार्यों का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि अजमेर में सड़क विकास पर 110 करोड़ रुपये से ज्यादा राशि खर्च हुई है। सैकड़ों करोड़ रूपए के अन्य विकास कार्य करवाए गए हैं। विकास की यह गति निरंतर जारी रहेगी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अजमेर को श्रेष्ठ और आदर्श शहर बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाऐंगे तथा इसके लिए प्रत्येक नागरिक को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि विकास एक सतत प्रक्रिया है जो बीते डेढ़ वर्षों से अनवरत चल रही है और आने वाले वर्षों में भी जारी रहेगी। देवनानी शुक्रवार को अजमेर शहर के विभिन्न वार्डों में सड़क, नाली, नाला एवं सुरक्षा दीवार निर्माण कार्यों के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि

वार्ड संख्या 72 एवं 73 में लगभग 21.55 लाख रुपए की लागत से आनंद नगर एवं विकासपुरी क्षेत्र में नाली निर्माण तथा कैलाशपुरी स्थित कम्युनिटी हॉल से विजय माथुर के मकान तक एवं हिलव्यू स्कूल के समाने सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया है। इसके अतिरिक्त सिनेवल्र्ड चौराहा, अजमेर में वार्ड संख्या 3 के अंतर्गत सिनेवल्र्ड चौराहे से बांडी नदी क्रॉसिंग तक नाला एवं सुरक्षा दीवार निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इसकी कुल लागत 88.70 लाख रुपए है। वहीं वार्ड 3 स्थित बंजारा बस्ती में 7.30 लाख रुपए की लागत से सड़क निर्माण कार्य भी प्रारंभ किया गया। इस प्रकार एक करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शुभारंभ किया गया। देवनानी ने कहा कि अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में अब तक 110 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से सड़कों का निर्माण कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि केवल सड़को के साथ नाली एवं नालों का निर्माण भी उतना ही आवश्यक है। इसी क्रम में अजमेर उत्तर क्षेत्र में लगभग 60 करोड़ रुपए की लागत से नालों का निर्माण कराया जा रहा है। इससे जल निकासी की समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

# बावड़ी धाम से लुनियावास(जयपुर) के लिए बाबा बालनाथ महाराज की भव्य पदयात्रा रवाना

## -हजारों श्रद्धालुओं की उमड़ी आस्था, जयकारों से गूंजा संपूर्ण मार्ग बावड़ी धाम

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। बावड़ी धाम से लुनियावास (जयपुर) के लिए बाबा बालनाथ जी महाराज एवं बस्तीनाथ जी महाराज की पावन पदयात्रा श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ विधिवत रूप से रवाना हुई। पदयात्रा के शुभारंभ होते ही पूरा क्षेत्र "बाबा बालनाथ जी महाराज की जय" और "बस्तीनाथ महाराज की जयकारों से गूंज उठा। हजारों श्रद्धालुओं ने पदयात्रा में शामिल होकर बाबा के प्रति अपनी गहरी आस्था और समर्पण प्रकट किया। इस भव्य पदयात्रा का नेतृत्व बाबा बस्ती नाथ जी महाराज के पावन सान्निध्य एवं मार्गदर्शन में किया जा रहा है। उनके निर्देशन में श्रद्धालु अनुशासन, भक्ति और सेवा भाव के साथ पदयात्रा में सहभागिता निभा रहे हैं। यात्रा मार्ग पर जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा कर पदयात्रियों का भव्य स्वागत किया गया। महिलाओं,युवाओं और बुजुर्गों की सहभागिता ने पदयात्रा को और भी ऐतिहासिक बना दिया। यह पदयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे, धर्म और आस्था का सशक्त संदेश देती नजर आई। पदयात्रा के दौरान भजन-कीर्तन, जयकारों और धार्मिक नारों से वातावरण पूर्णतः भक्तिमय हो गया। पूर्व सरपंच मदन यादव ने कहा कि बाबा बालनाथ जी महाराज एवं बस्तीनाथ महाराज की कृपा से जीवन में सुख, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। डॉ. सुरेन्द्र यादव एवं विभिन्न भक्त मंडलियों द्वारा पदयात्रियों के लिए जल, फलाहार, प्राथमिक चिकित्सा सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं, जिससे सेवा और सहयोग की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। इस अवसर पर महावीर गुर्जर, कमलेश गुर्जर, बुधाराम हवलदार, पुरण, जिला पार्षद राजेन्द्र यादव, बेघराज, श्रीराम, राहुल, विकास यादव,रामावतार सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

# साईबर अलर्ट: कैप्चा (Captcha) भरने की नौकरी कहीं खाली न कर दे आपका बैंक खाता

## -राजस्थान पुलिस की बड़ी चेतावनी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। घर बैठे आसान कमाई का सपना देखने वालों के लिए एक खतरनाक जाल बिछाया जा रहा है। महानिदेशक पुलिस साइबर क्राइम के निर्देशन में साइबर क्राइम थ्रेट एनालिटिक्स यूनिट ने एक ऐसे ट्रेंड का खुलासा किया है, जो कैप्चा सॉल्विंग के नाम पर मासूम लोगों की मेहनत की कमाई डकार रहा है। उप महानिरीक्षक पुलिस साइबर क्राइम विकास शर्मा ने बताया कि ठगों की कार्यप्रणाली बेहद शातिर है। ये जालसाज फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म्स पर लुभावने विज्ञापन चलाते हैं। विज्ञापन में दावा किया जाता है कि आपको केवल स्क्रीन पर दिखने वाले कैप्चा कोड टाइप करने हैं और बदले में आप हर महीने हजारों रुपये कमा सकते हैं। न्यूनतम प्रयास और अधिकतम लाभ का लालच बेरोजगार युवाओं और गृहणियों को आसानी से अपनी ओर खींच लेता है।

रजिस्ट्रेशन के नाम पर फीस की वसूली—

जैसे ही कोई व्यक्ति इनके झांसे में आता है, उसे एक फर्जी जॉब एग्रीमेंट दिखाया जाता है ताकि सब कुछ असली लगे। इसके बाद शुरू होता है वसूली का खेल। कभी सॉफ्टवेयर चार्ज, कभी ट्रेनिंग फीस तो कभी सिक्योरिटी डिपॉजिट के नाम पर पीड़ित से हजारों रुपये जमा करवा लिए जाते हैं। विश्वसनीयता बनाने के लिए ठग बाकायदा फर्जी आईडी और फर्जी दफ्तर के पते भी साझा करते हैं।

असंभव टार्गेट और पेमेंट का धोखा—

पैसे लेने के बाद पीड़ित को एक पोर्टल का एक्सेस दिया जाता है। यहाँ उन्हें बेहद कम समय में हजारों कैप्चा भरने का टास्क दिया जाता है। जब पीड़ित भुगतान मांगता है, तो ठग उसकी मेहनत में गलतियां निकाल देते हैं। अंत में कमाई निकालने के लिए फिर से प्रोसेसिंग शुल्क या टैक्स के नाम पर और पैसों की मांग की जाती है। पैसे मिलते ही ठग अपना फोन बंद कर गायब हो जाते हैं।

साइबर पुलिस की सुरक्षा गाइडलाइन—

राजस्थान साइबर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे इन बातों का विशेष ध्यान रखें—

एडवांस पेमेंट न दें: कोई भी प्रतिष्ठित कंपनी काम देने के लिए पैसे नहीं मांगती।

संदेह करें: यदि काम बहुत सरल है और पैसा जरूरत से ज्यादा मिल रहा है, तो वह शत-प्रतिशत फ्रॉड है।

समीक्षा करें: किसी भी प्लेटफॉर्म पर जुड़ने से पहले उसकी ऑनलाइन रेटिंग और फोरम पर चर्चा जरूर पढ़ें।

यहाँ दर्ज कराएं अपनी शिकायत—

यदि आप इस ठगी का शिकार हुए हैं, तो घबराएं नहीं। तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या 9256001930 / 9257510100 पर संपर्क करें। आप अपनी शिकायत www.cybercrime.gov.in पर भी दर्ज करा सकते हैं।

# डॉक्टर इमरान खान के वतन लौटने पर हिन्दू मुस्लिम ने शानदार स्वागत किया

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। डॉक्टर इमरान खान सीनियर मेडिकल ऑफिसर गोरवमेंट ऑफ राजस्थान व उनके साथ मे उमराह पर गई हुई उनकी पत्नी रुकसाना, उनका दामाद डॉक्टर अरशद आमीन एमबीबीएस एमएस ऑर्थो, उनकी बेटी डॉक्टर अनम खान, एमबीबीएस एमडी मेडिसिन व उनकी बेटी डॉक्टर आफिया खान एमबीबीएस आगरा सभी वापस आगए है। इनके वापस आने पर इनके रिश्तेदार और जान पहचान वालो ने इन पर पुष्प वर्षा कर गुलाब की मलाए पहनाकर गर्म जोशी से शानदार स्वागत किया है। जो लोग हाजियों का स्वागत करने के लिए आरहे है उन लोगो को हाजियों के द्वारा तस्वीह मिस्वाक टोपी खिजुर जा-नमाज आदि का तोहफ़ा (गिफ्ट) दिया जा रहा है। लोहानी न्यूज़ सर्विस के पत्रकारों के सवाल पर हाजियों ने बताया कि हज करने के बाद में हमको बहुत सुकून मिला है हमारी तबियत खुश हो गई है दिल खुशियों में झूल गया है हमारा रोम-रोम खुश है। हाजियों ने ये भी बताया कि वहां पर इतना सुकून मिलता है कि वापस आने का मन ही नहीं करता है। हाजियों ने यह भी बताया कि वहां की अजान नमाज

काबा का वो दिलकश नजारा आंखों के सामने अभी भी घूमता रहता है हाजियों की तन मन से बहुत सेवा की जाती है वहां पर अपनापन बहुत है। उल्लेखनीय है कि डॉक्टर इमरान खान हिन्द मुस्लिम एकता को प्रगाढ़ करते है हिन्द भाइयों की रैली में पुष्पवर्षा करते है गरीब व जरूरतमंदों की मदद करते है इनके अच्छे अख़लाक़ की वजह से इनका स्टाफ भी बहुत खुश है ये इनके द्वारा दी गई दवाइयों से मरीजों को तुरन्त फायदा आजाता है इनके मीठे बोल व दवाई मरीजो को राहत पहुचा रही है।

# डॉ. सी. एम. चौपडा मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की सीएमसीएच चौमू मैराथन से बच्चों में हृदय रोग जागरूकता

चोमू (रॉयल पत्रिका)। डॉ. सीएम चोपड़ा हॉस्पिटल ने फरवरी माह को चाइल्ड हार्ट मंथ के रूप में एक स्वस्थ और सकारात्मक पहल के साथ मनाते हुए चोमू को उसकी अपनी मैराथन समर्पित की। इसी क्रम में चोमू में पहली बार सीएम सीएच चोमू मैराथन का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 400 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और 500 से अधिक उपस्थित जनों ने धावकों का समर्थन कर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. शिखा मील बराला, विधायक चोमू द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, डिप्स प्रदीप शर्मा एवं छुट्टन जी यादव भी उपस्थित रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और सभी से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। सीएमसीएच के डॉ. रोहित चोपड़ा ने अपने संबोधन में बाल्यावस्था में मोटापे, बच्चों में हृदय रोग के लक्षणों तथा जन्मजात हृदय रोग (कंजेनिटल हार्ट डिजीज) पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की और समय पर

जांच व जागरूकता की आवश्यकता पर जोर दिया। मैराथन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष 3 बालकों को साइकिल पुरस्कार स्वरूप प्रदान की गईं। साथ ही सभी 10 प्रतिभागियों को उपहार दिए गए और हर प्रतिभागी को पदक देकर सम्मानित किया गया। यह आयोजन चोमू के लिए न केवल एक ऐतिहासिक क्षण रहा, बल्कि स्वस्थ बच्चों, स्वस्थ भविष्य की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम भी साबित हुआ।

# घमूड़वाली पुलिस की बड़ी कामयाबी, दो शातिर चोर गिरफ्तार

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। श्रीगंगानगर के थाना घमूड़वाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खेतों से मोटर व पाइप चोरी करने वाले दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने क्षेत्र में हुई कई चोरियों को स्वीकार किया है। फिलहाल दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी लंबे समय से ग्रामीण इलाकों में किसानों के खेतों को निशाना बना रहे थे। चोरी की बढ़ती वारदातों को गंभीरता से लेते हुए थाना पुलिस ने विशेष टीम गठित कर कार्रवाई को अंजाम दिया। इस कार्रवाई का नेतृत्व एसएचओ राजेंद्र सिंह के निर्देशन में किया गया, जिसमें धर्मपाल सिंह हेड कांस्टेबल, नाजम सिंह, दिनेश काकड़ व सरजीत सहारण शामिल रहे। पूरी कार्रवाई में नाजम सिंह की विशेष भूमिका रही, जिनकी सूझबूझ से आरोपियों तक पहुंच संभव हो सकी। घमूड़वाली पुलिस द्वारा लगातार अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए चोरी के मामलों का खुलासा किया जा रहा है। साथ ही पुलिस नशे के खिलाफ भी सख्त और प्रभावी कार्रवाई कर क्षेत्र को अपराध मुक्त बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

## आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

| | | | |
|---|---|---|---|
| **बिजली फॉल्ट के लिए** | | **पानी के लिए** | |
| टोल फ्री नंबर | 18001806507 | जलदाय कार्यालय | 2706624 |
| वॉट्सएप नंबर | 9414037085 | फायर ब्रिगेड | 2747400 |
| कस्टमर केयर | 2203000 | **मेडिकल इमरजेंसी के लिए** | |
| आईवीआरएस | 1912 | एंबुलेंस | 102/108 |
| **कचरा गाड़ी के लिए** | | एसएमएस इमरजेंसी | 2518333 |
| ग्रेटर | 2747400 | महिला चिकित्सालय | 22610616 |
| सीवरेज लीकेज | 2607500 | जनाना हॉस्पिटल | 22378721 |
| हेरिटेज | 2607500 | SDMH | 22574189 |
| टोल फ्री नंबर | 14420 | SMS ब्लड बैंक | 22518222 |
| **पुलिस की मदद के लिए** | | कल्याण ब्लड बैंक | 22721771 |
| साइबर क्राइम | 1930/2360094 | **घायल पशुओं के लिए** | |
| कंट्रोल रूम | 2388435/36/37/38 | नगर निगम | 2747400 |
| ट्रैफिक कंट्रोल रूम | 2565630 | बर्ड वाइक | 9887345580 |
| चाइल्ड हेल्पलाइन | 1098 | हेल्प इन सफरिंग | 8107299711 |
| महिला हेल्पलाइन | 1090 | जनमंच ट्रस्ट | 7230055800 |
| मुख्यमंत्री पोर्टल | 181 | पशु चिकित्सालय | 2747400 |

# यूजीसी के समर्थन में ओबीसी,एससी,एसटी हुए एक साथ लामबंद प्रधानमंत्री के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से सोपा ज्ञापन

**मोहम्मद अली पठान**

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर यूजीसी बिल, 2026 को यथावत लागू किया जाए। के समर्थन में ओबीसी- एससी-एसटी ने प्रधानमंत्री के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन दिया और कहा की नए यूजीसी नियम, 2026 एससी, एसटी, ओबीसी,महिला व दिव्यांगों की महती आकांक्षा है।नए यूजीसी नियम ऐतिहासिक और युगांतकारी है। रोहित वेमुला और पायल तड़वी की आत्माएं आज भी न्याय की आशा में भटक रही है। नए यूजीसी नियम रोहित व पायल को सच्चा न्याय प्रदान करेंगे। महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले और डॉक्टर अंबेडकर ने जो पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों,वंचितों व शोषितों के लिए संघर्ष किया है, उनको यह सच्ची श्रद्धांजलि होगी कॉलेज, यूनिवर्सिटी व उच्च शैक्षणिक संस्थानों में एससी, एसटी, ओबीसी, महिलाओं व दिव्यांगों के साथ जो जातिभेद का अपमानजनक व्यवहार किया जाता है, उससे आप वाकिफ हैं। यह बिल किसी जाति, समाज, समुदाय विशेष के विरुद्ध नहीं है वरन यह एक सामाजिक न्याय की प्रक्रिया है। 15 % लोगों के लिए 85% लोगों की बली नहीं दी जा सकती है। आपने जो नए यूजीसी नियम लागू किए हैं उसके लिए आप और भारत सरकार धन्यवाद की पात्र है। आने वाले समय में आपका शुमार अब्राहम लिंकन और नेल्सन मंडेला जैसे विश्व नेताओं में होगा।अतः नए यूजीसी नियम, 2026 को यथावत लागू रखा जाए। यूजीसी मिल के समर्थन में नेशनल ओबीसी वेलफेयर सोसाइटी इंडिया और यूजीसी बिल के समर्थन में राजस्थान नायक समाज ने अपना समर्थन दिया। जिला अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद नायक पूर्व मनोनीत पार्षद और रैली व ज्ञापन में शामिल सम्मानीय -गिरधारी लाल तंवर, डॉ. अशोक शर्मा (जांगिड), राधेश्याम स्वामी, रामेश्वर प्रजापति (एडवोकेट), आनंद बालाण (एड.), मोहन लाल आर्य, दौलतराम पेंसिया, रामेश्वरलाल नायक, चानणमल सैनी, भंवर सिंह रावणा राजपूत, दिग्विजय सिंह चारण (एड.), बजरंग बजाड़, रामरतन सिहाग, चन्द्रमोहन सैनी, चुन्नी नाथ योगी, हरिसिंह रावणा राजपूत, कन्हैयालाल प्रजापत, हरिकिशन जांगिड़, बैजुराम जांगिड़, विनोद रक्षक, गुमानीराम प्रजापत, घनश्याम अलवरिया, सुरेश प्रजापत, राधेश्याम सैनी, भागीरथ सैनी, डूंगरसिंह रावणा राजपूत, गजानंद सैनी, शौलाराम मेघवाल, ताराचंद सैनी, ओमप्रकाश सैनी (भीख जी), भवानी शंकर सोनी, सुभाष सैनी, श्योकरण सैनी, किशोर वाल्मीकि, डूंगरमल सैनी, खींवाराम प्रजापत, परमेश्वरलाल जांगिड़, पवन सैनी, कुम्भाराम सैनी, बुदरमल बामनिया, मंगल सैनी, दीपक वर्मा, कन्हैयालाल सैनी, गुलझारीलाल सैनी, हीरालाल सैनी, अनिल प्रजापति, बनवारी मेघवाल, नंदलाल गढ़वाल, लिखमाराम प्रजापत, गोगराज सैनी, कान्हाराम मेघवाल, हुणताराम ईशराण, राजेंद्र खंडवा एंव कॉलेज–यूनिवर्सिटी के छात्र–छात्राएं आदि सेंकडो की संख्या में SC,ST, OBC के लोग शामिल रहे।

# जैन धर्म जीवन जीने की कला, अहिंसा का संदेश पूरे विश्व के लिए प्रभावी- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

## -लाडनूं में जैन विश्व भारती स्थित प्रवचन पांडाल 'सुधर्मा सभा' का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक कार्यकर्ता मो० मुश्ताक खान कायमखानी ने बताया की लाडनूं विधानसभा के शहरी क्षेत्र लाडनूं में आज जैन समुदाय के आचार्य महाश्रमण के लाडनूं पधारने के मौके पर राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लाडनूं नगर का दौरा किया एक जैन समुदाय के एक विशाल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा है कि जैन धर्म जीवन जीने की कला है। इसमें पांच महाव्रतों का महत्व अधिक है। जिनमें अहिंसा का संदेश पूरे विश्व में प्रभावी सिद्ध होगा। यह मानव मात्र को दिशा देने वाला सिद्धांत है। जैन धर्म प्रकृति के साथ समन्वय बनाकर चलने के लिए प्रेरित करता है। वे यहां जैन विश्व भारती स्थित सुधर्मा सभा का लोकार्पण करने के बाद आयोजित समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने आचार्यश्री महाश्रमण के लाडनूं पदार्पण को पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात बताया और कहा कि अचार्य महाश्रमण लोगों को दिशा प्रदान करते हैं। ये युवाओं को संस्कृति और जागरण का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने महाश्रमण की साधना और ज्ञान को मानव मात्र के लिए समर्पित बताते हुए कहा कि उन्होंने तो अपना पूरा जीवन ही समर्पित किया है। उन्होंने जैन धर्म की प्राचीन परम्पराओं को आधुनिकता से जोड़ कर समाज को नई दिशा दी है।मुख्यमंत्री शर्मा न कहा कि जैन विश्व भारता का धर्म, शिक्षा और संस्कार को व्यावहारिक रूप देने में कामयाबी मिली है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वे तीन-चार साल पहले यहां दो दिन रहे थे। इन दो दिनों में उन्हें यहां के वातावरण और ऊर्जा को अनुभव किया। इस ऊर्जा का अपने आप में बहुत ही महत्व है। यहां आने वाले हर व्यक्ति को यहां नई ऊर्जा मिलती है और यहां से पूरी दुनिया को ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने राजस्थान को आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विशेषताओं का गढ कहा और बताया कि यहां की जनता धर्म के माग्र पर चल कर जीवन को पवित्र करेगी। देश को विश्वगुरू बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सबकी जिम्मेदारी है कि इस मान्यता को और आगे बढा कर प्रतिस्थपित करें और विश्व में सबको रास्ता दिखाने वाले बनें। आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में किया गया विश्वविद्यालय के मुख्य प्रवेश-द्वार का लोकार्पण जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के नवीनीकरण के दौरान नवनिर्मित विशाल व भव्य मुख्य द्वार में आचार्यश्री महाश्रमण ने अपने प्रवेश के साथ ही भीतर पदार्पण करके उसका शुभारम्भकिया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने फीता खोल कर द्वार समर्पित किया। इस लोकार्पण कार्यक्रम में प्रो. युवराज सिंह खंगारोत व प्रो. बीएल जैन भी मौजूद रहे। आचार्यश्री महाश्रमण ने अपनी धवल सेना के साथ विश्वविद्यालय के मुख्य प्रवेशद्वार मे प्रवेश कर उसका शुभारम्भ किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के विद्यार्थी और स्टाफ सदस्यों ने मौजूद रह कर आचार्य महाश्रमण का स्वागत किया।

# डी कलेक्शन ऑल ब्रांड कलेक्शन शॉप का भव्य उद्घाटन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भरतीया रोड स्थित यूको बैंक के सामने डी कलेक्शन ब्रांड कलेक्शन शॉप का भव्य उद्घाटन जगशेर खान सरपंच पितिसर ने फीता काटकर किया। शॉप के प्रोपराइटर सुलेमान उर्फ धोनी पुत्र आरिफ खान नारू ने कहा नए गारमेंट स्टोर का उद्घाटन एक शानदार शुरुआत का प्रतीक है। इस खास मौके पर दुकान को रंग-बिरंगी लाइटों और फूलों से सजाया गया है। मुख्य अतिथि द्वारा फीता काटकर शोरूम का शुभारंभ किया गया। समारोह में आए मेहमानों के लिए नवीनतम फैशन कलेक्शन का प्रदर्शन और विशेष जलपान की व्यवस्था की गई है। अक्सर इस अवसर पर ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए विशेष डिस्काउंट और ऑफर्स भी दिए जाते हैं। शुभारंम पर युसूफ खान नारू, असलम पठान, अयूब खान सामदखानी, फारूक नारू, आदि काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे और खरीदारी की।

# संघर्ष से सफलता तक विकास उत्सव समारोह के अंतर्गत शिलान्यास किया

सुजानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा में 'संघर्ष से सफलता तक विकास उत्सव समारोह' के अंतर्गत ड्रेनेज शिलान्यास कार्यक्रम, नागरिक अभिनंदन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में राजस्थान विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़, चूरू विधायक हरलाल सहारण सम्मिलित हुए। ड्रेनेज बनने से सुजानगढ़ की वर्षों पुरानी जल निकासी समस्या का समाधान होगा। कार्यक्रम में भाजपा चूरू जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, सांसद प्रत्याशी देवेंद्र झाझडीया, पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवा, पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल, सुजानगढ़ विधानसभा प्रत्याशी संतोष मेघवाल, अनुसूचित जाति वित्त आयोग चेयरमैन राजेंद्र नायक, चंद्राराम गुरी, सुजानगढ़ नगरपालिका में नेता प्रतिपक्ष जयश्री दाधीच सहित अनेक वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# बींझबायला में विकास की बड़ी सौगात:

## -3 करोड़ की लागत से अटल प्रगति पथ सीसी रोड का शिलान्यास

**विनोद सोखल**

बींझबायला/श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। ग्रामपंचायत बींझबायला में विकास को नई गति देते हुए 3 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले 2 किलोमीटर लंबे सीसी रोड अटल प्रगति पथ का भव्य शिलान्यास किया गया। शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेन्द्र पाल सिंह टीटी ने शिरकत कर कार्य का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेन्द्र पाल सिंह टीटी का ग्रामवासियों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। ग्रामीणों ने उन्हें सरोपां पहनाकर सम्मानित किया और राज्य सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सड़क गांव के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। अपने संबोधन में टीटी ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और अटल प्रगति पथ जैसी योजनाएं गांवों की तस्वीर बदलने का काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मजबूत सड़कें केवल आवागमन नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार को भी नई दिशा देती हैं। कार्यक्रम में BDO रामदेव जांगिड़, ग्रामपंचायत प्रशासक साधुराम गौड़, बींझबायला मंडल अध्यक्ष प्रेम झटवाल, भूमि विकास बैंक के वाइस चेयरमैन राजेन्द्र मंडा, संगठन मंत्री जसकरण सिंह सरा सहित भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए राज्य सरकार और जनप्रतिनिधियों का आभार जताते हुए कहा कि सीसी रोड बनने से वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होगा और गांव को विकास की नई पहचान मिलेगी।

# युवाओं की भागीदारी से ही सशक्त होगा लोकतंत्र- श्वेता कोचर

## -लोहिया कॉलेज में 'इलेक्टोरल लिटरेसी फेस्टिवल' का सफल आयोजन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजकीय लोहिया महाविद्यालय में शुक्रवार को ईएलसी क्लब के माध्यम से इलेक्टोरल लिटरेसी फेस्टिवल आयोजित किया गया। इस दौरान स्वीप नोडल अधिकारी सीईओ श्वेता कोचर ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती युवाओं की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग न केवल स्वयं मतदान करें, बल्कि अपने परिवार, मित्रों एवं समाज के अन्य लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें। उन्होंने मतदान के प्रति जागरूकता फैलाने में ईएलसी की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। इस दौरान रंगोली और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गई तथा विद्यार्थियों ने नाटक के माध्यम से नैतिक मतदान का संदेश दिया। प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर ईएलसी प्रभारी डॉ सरोज हारित ने क्लब की अब तक की गतिविधियों, उपलब्धियों एवं आगामी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में दिनेश कुमार चारण, अरविंद शर्मा, धीरज बाकोलिया, वीणा ढेनवाल, डॉ रूपा शेखावत, मधु चौधरी, मधुसूदन प्रधान, रहमत बानो, समीक्षा चौधरी, अरूण टुहानिया, मनीष सहित संकाय सदस्य, ईएलसी क्लब के सदस्य एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।IA

# महवा के बोहराज ग्लोबल स्कूल में नए प्राचार्य दिव्या मिश्रा द्वारा बोर्ड काउंसलिंग कार्यक्रम का किया आयोजन

**शफीक अली**

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा उपखंड मुख्यालय के रामगढ़ रोड स्थितद बोहराज ग्लोबल स्कूल में शैक्षणिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दिव्या मिश्रा को विद्यालय की नई प्राचार्या के रूप में नियुक्त किया गया। उनका स्वागत पूर्व महुवा चेयरमैन प्रेम देवी बोहरा, संरक्षक गौ पुत्र अवधेश अवस्थी एवं सेवानिवृत्त शिक्षक प्रभु दयाल शर्मा द्वारा फूल-मालाओंव दुपट्टा पहना कर एवं नियुक्ति पत्र प्रदान कर स्वागत किया गया। इस दौरान प्राचार्य श्रीमती दिव्या मिश्रा को शिक्षा के क्षेत्र में 17 वर्षों का समृद्ध अनुभव प्राप्त है। वे विद्यालय प्रशासन, नेतृत्व एवं अकादमिक उत्कृष्टता में निपुण हैं तथा CBSE-Registered Resource Person, प्रमाणित योग शिक्षिका, लाइफ कोच एवं सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनर भी हैं। इसी अवसर पर प्राचार्य दिव्या मिश्रा ने बोर्ड परीक्षा की तैयारी को लेकर विशेष काउंसलिंग सत्र आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को बोर्ड तैयारी, विषय चयन एवं करियर मार्गदर्शन दिया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय केडायरेक्टर विनय बोहरा, को-औडायरेक्टर विकास बोहरा, संरक्षक गोपुत्र अवधेश अवस्थी, प्राचार्या दिव्या मिश्रा, राजेश,पुनीत, उप-प्राचार्या श्वेता राणा, सभी विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकगण विद्यालय के छात्र-छात्राएं स्टाफउपस्थित रहे।

# राज. अधिकारी कर्मचारी माइनॉरिटी एसोसिएशन द्वारा मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया

राजगढ़ (रॉयल पत्रिका)। राज्य में अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारी कार्मिकों को प्रशासनिक स्थानान्तरण के नाम पर दूरस्थ स्थानों पर स्थानान्तरित पदस्थापित कर अनावश्यक प्रताड़ित किये जाने के संबंध में न्याय हेतु ज्ञापन। दिया गया। विगत दिनों से राज्य में जारी स्थानान्तरण सूचियों के अवलोकन से एवं पूरे प्रदेश से प्रभावित अधिकारी कार्मिकों से प्राप्त संदेश से प्रतीत हो रहा हैं कि उक्त स्थानान्तरण सूचियों में विशेषकर अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारी/कार्मिकों को प्रशासनिक स्थानान्तरण के नाम पर बिना किसी कारण के दूरस्थ स्थानों पर भेजकर प्रताड़ित किया जा रहा हैं। प्रशासनिक तौर किये गये स्थानान्तरणों में कई विधवा, परित्यकता, पति-पत्नी राज्य सेवा में, राज्य स्तरीय पुरस्कृत एंव विकलांग अल्पसंख्यक वर्ग के कर्मचारियों के भी स्थानान्तरण कर दिये गये हैं। इस प्रकार राज्य में अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारी/कार्मिकों के दूरस्थ स्थानों पर बिना किसी कारण/शिकायत के बड़े स्तर पर प्रशासनिक आधार पर किये गये स्थानान्तरणों से अल्पसंख्यक वर्ग के कार्मिक आहत हैं। अतः आपसे संगठन अनुरोध करता हैं कि जारी स्थानान्तरण सूचियों में अंकित अधिकारी/कार्मिकों से स्थानान्तरण के संबंध में परिवेदना प्राप्त होने पर उन पर पुनर्विचार करते हुए ऐसे स्थानान्तरण निरस्त/संशोधन करवाने की कृपा करें। साथ ही भविष्य में स्थानान्तरण/पदोन्नतियों के पदस्थापन में अल्पसंख्यक वर्ग अधिकारी/कर्मचारियों के साथ राजधर्म निभाने की हम आपसे पूर्ण अपेक्षा रखते हैं। संगठन सदैव आपका आभारी रहेगा। ज्ञापन देने वालों में सेवानिवृत्ति एएओ इसाक बेग, लतीफ खान खींची, हाशिम खान, सगीर खान, मुस्तफा, इरशाद, जमील हुसैन, सफी मोहम्मद, आदि शामिल रहे।

# भाजपा नेताओं के बयानों पर विपक्ष का पलटवार, उपजिला प्रमुख सुदेश मोर ने दी कड़ी प्रतिक्रिया

बींझबायला/श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा नेताओं द्वारा हाल ही में दिए गए बयानों को लेकर विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उपजिला प्रमुख सुदेश मोर ने भाजपा पर झूठ की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि विकास कार्यों का श्रेय लेने की होड़ में जनता को गुमराह किया जा रहा है। सुदेश मोर ने कहा कि वर्ष 2023 में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में जल जीवन मिशन के अंतर्गत बजट स्वीकृत हुआ था और टीएस (तकनीकी स्वीकृति) भी जारी की गई थी। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि इस संबंध में विधानसभा में तत्कालीन विधायक रूपिंदर सिंह कुन्नर द्वारा भी मांग उठाई गई थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि बींझबायला में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) की घोषणा कांग्रेस के दिवंगत वरिष्ठ नेता गुरमीत सिंह कुन्नर की अनुशंसा पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बजट सत्र के दौरान की थी। ऐसे में भाजपा द्वारा इस घोषणा का श्रेय लेना अनुचित है। उपजिला प्रमुख सुदेश मोर ने कहा, "अच्छे काम का हम हमेशा स्वागत करते हैं, लेकिन सत्ता पक्ष को झूठ की राजनीति बंद करनी चाहिए। जनता सब जानती है कि विकास कार्यों की नींव किस सरकार ने रखी।" उन्होंने मनरेगा योजना पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि वर्तमान में श्रमिकों को 100 दिन का रोजगार तक नहीं मिल पा रहा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता भी मौजूद रहे, जिन्होंने एक स्वर में भाजपा सरकार की नीतियों की आलोचना की और कांग्रेस शासनकाल के विकास कार्यों को जनता के सामने रखने की बात कही।

# गणेशगढ़ के श्री दीनदयाल को मिला सिंचाई डिग्गी का लाभ

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार जिले के गिरदावर सर्किल में आयोजित हो रहे ग्राम उत्थान शिविर आमजन के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। इन शिविरों में मौके पर आमजन की समस्याओं का समाधान होने के साथ उन्हें केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त हो रही है। साथ ही उन्हें केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का मौके पर ही लाभ मिल रहा है। राहत मिलने पर लाभार्थियों द्वारा माननीय मुख्यमंत्री और राजस्थान सरकार का आभार जताया जा रहा है। श्रीगंगानगर जिले के गिरदावर सर्किल गणेशगढ़ में शनिवार को ग्राम उत्थान शिविर आयोजित हुआ। आयोजित शिविर में दीनदयाल पुत्र केसराराम निवासी गणेशगढ़ पहुंचे। दीनदयाल ने बताया कि उसकी कृषि भूमि 27 एलएनपी में है। यहां डिग्गी निर्माण के लिए उसने कृषि विभाग में आवेदन किया गया। विभागीय दिशा-निर्देश अनुसार डिग्गी का निर्माण किया गया। लाभार्थी ने बताया कि विभाग द्वारा डिग्गी निर्माण से पूर्व में खुला पानी लगता था। इससे पूरे खेत में सिंचाई नहीं हो पाती थी, लेकिन अब फव्वारा व ड्रिप सिंचाई के उपयोग से सिंचाई क्षेत्रफल बढा है तथा उत्पादन में भी लाभ हुआ है। डिग्गी अनुदान के लिए लाभार्थी ने राजस्थान सरकार का आभार व्यक्त किया।

# ग्राम उत्थान शिविर से बदली किसान की तस्वीर, डिग्गी निर्माण से बढ़ा उत्पादन व आय

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार जिले के गिरदावर सर्किल में ग्राम उत्थान शिविर आयोजित किए जा रहे ग्राम उत्थान शिविर आमजन के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। इन शिविरों में एक ही स्थान पर आमजन की समस्याओं का समाधान करने के साथ-साथ उन्हें केन्द्र एवं राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी तथा मौके पर ही योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। राहत मिलने पर लाभार्थियों द्वारा मुख्यमंत्री एवं राजस्थान सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया जा रहा है। इसी क्रम में गिरदावर सर्किल की ग्राम पंचायत खाट सजवार में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर में ग्राम खाट सजवार निवासी अनमोल सिंह बराड़ पुत्र रणजीत सिंह बराड़ ने कृषि विभाग की डिग्गी निर्माण योजना के तहत आवेदन किया। अनमोल सिंह बराड़ के पास लगभग 5 एसडीएस कृषि भूमि है। पूर्व में खेत में पर्याप्त जल उपलब्धता नहीं होने के कारण उन्हें खुले पानी से सिंचाई करनी पड़ती थी, जिससे पूरे खेत की सिंचाई संभव नहीं हो पाती थी तथा उत्पादन सीमित रहता था। पारंपरिक सिंचाई पद्धति के कारण समय, श्रम एवं लागत अधिक लगती थी। ग्राम उत्थान शिविर के माध्यम से योजना की जानकारी प्राप्त होने पर विभागीय दिशा निर्देशानुसार उनकी भूमि पर डिग्गी का निर्माण करवाया गया। उन्हें 3 लाख रुपये का अनुदान प्रदान किया गया। डिग्गी निर्माण के पश्चात किसान द्वारा खेत में फव्वारा एवं ड्रिप सिंचाई प्रणाली अपनाई गई, जिसके परिणामस्वरूप अब पूरे खेत में नियमित सिंचाई संभव हुई। इससे जल की बचत होने के साथ फसल की गुणवत्ता में सुधार हुआ है तथा उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। परिणामस्वरूप उनकी आय में भी वृद्धि हुई है और खेती अधिक लाभकारी बनी है। अनमोल सिंह बराड़ ने बताया कि ग्राम उत्थान शिविर के माध्यम से उन्हें समय पर जानकारी एवं सहायता प्राप्त हुई, जिससे उनकी खेती में सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने इसके लिए राजस्थान सरकार एवं कृषि विभाग का आभार व्यक्त किया।

# श्रीकरनपुर के पवन कुमार को मिला पशु मंगला बीमा योजना का लाभ

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार जिले के गिरदावर सर्किल में आयोजित हो रहे ग्राम उत्थान शिविर आमजन के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। इन शिविरों में मौके पर आमजन की समस्याओं का समाधान होने के साथ उन्हें केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त हो रही है। साथ ही उन्हें केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का मौके पर ही लाभ मिल रहा है। राहत मिलने पर लाभार्थियों द्वारा माननीय मुख्यमंत्री और राजस्थान सरकार का आभार जताया जा रहा है। श्रीगंगानगर जिले के गिरदावर सर्किल चक 13 एफएफ मानकसर में ग्राम उत्थान शिविर आयोजित हुआ। आयोजित शिविर में पवन कुमार पुत्र पृथ्वीराज निवासी 53 जीजी ने पशु मंगला बीमा योजना के तहत आवेदन किया। मौके पर ही आवेदक को बीमा योजना का लाभ दिया गया। लाभार्थी पवन कुमार ने बताया कि शिविर में दो पशुओं के लिए बीमा योजना का लाभ दिया गया है। इस पर लाभार्थी द्वारा राजस्थान सरकार और माननीय मुख्यमन्त्री भजनलाल शर्मा का आभार जताया।

## सैमसंग ने एसी और रेफ्रिजरेटर के लिए प्रोएक्टिव समर केयर कैंपेन लॉन्च किया

**गुरुग्राम, एजेंसी।** भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज प्रोएक्टिव समर केयर कैंपेन की घोषणा की है ताकि ग्राहकों को गर्मियों के पीक सीजन से पहले अपने एयर कंडीशनर और रेफ्रिजरेटर की सर्विस करवाने में मदद मिल सके। 04 फरवरी, 2026 से शुरू होने वाला यह कैंपेन ग्राहकों को सैमसंग सर्विस पर खास डिस्काउंट देता है, जिसमें लेबर चार्ज, पिक-अप, डिलीवरी और जेट क्लीनिंग पर 50त तक की छूट शामिल है। यह ऑफर 15 मार्च, 2026 तक वैलिड है। समय पर अप्लायंसेज के मेंटेनेंस को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया, प्रोएक्टिव समर केयर कैंपेन यह सुनिश्चित करता है कि ग्राहक बेहतर कूलिंग परफॉर्मेंस, बेहतर एनर्जी एफिशिएंसी और अप्लायंसेज की लंबी लाइफ का आनंद लें, साथ ही गर्मियों की तेज़ गर्मी में अचानक खराब होने का जोखिम भी कम हो।

## सोनी सब के 'गणेश कार्तिकेय' ने पूरे किए 100 भावपूर्ण एपिसोड्स

**मुंबई।** सोनी सब की पौराणिक गाथा 'गाथा शिव परिवार की- गणेश कार्तिकेय' दर्शकों को भगवान गणेश (निर्णय समाधिया) और शिव परिवार की कहानियों से लगातार मोहित कर रही है। आध्यात्मिक भव्यता को गर्मजोशी भरे, सहज पारिवारिक पलों के साथ जोड़ते हुए यह शो खूबसूरती से दर्शाता है कि किस प्रकार भगवान शिव (अविनेश रेखी) और देवी पार्वती (श्रेनु पारिख) के दिव्य गृह में दिव्य परिवार प्रेम, जिम्मेदारी और संघर्ष का अनुभव करता है। शो के 100 एपिसोड्स पूरे होने के इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर, पूरी टीम कृतज्ञता के साथ इस उपलब्धि का उत्सव मना रही है। शो की वर्तमान कथा, जो भगवान गणेश और पवित्र अष्टविनायक यात्रा की गाथाओं का अनुसरण करती है, दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ गई है। यह कथा आध्यात्मिक महत्व और भावनात्मक कहानी कहने का सशक्त संगम प्रस्तुत करती है। यह उपलब्धि दर्शकों के उस निरंतर प्रेम का प्रतिबिंब है, जो आस्था, मूल्यों और भावनात्मक सच्चाई से जुड़ी कहानियों के प्रति है।

## भारत ने रूस से 38 महीने में किया सबसे कम तेल आयात, सरकार ने दिसंबर 2025 के आंकड़े किए जारी

**नई दिल्ली,एजेंसी।** वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2025 में भारत ने रूस से 2.7 अरब डॉलर का कच्चा तेल आयात किया, जो फरवरी 2024 के बाद किसी भी महीने में सबसे कम है। यह नवंबर 2025 के 3.7 अरब डॉलर के आयात से करीब 27 प्रतिशत कम और दिसंबर 2024 के 3.2 अरब डॉलर की तुलना में 15 प्रतिशत से अधिक की गिरावट है।

**अमेरिका ने रूसी तेल कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध :**यह गिरावट ऐसे समय आई है, जब अमेरिका ने 22 अक्तूबर को रूसी तेल क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंधों की घोषणा की थी। अमेरिका ने इन कंपनियों से जुड़े सभी लेन-देन 21 नवंबर तक समाप्त करने की समय-सीमा तय की थी। ये दोनों कंपनियां भारत को रूसी तेल निर्यात की प्रमुख आपूर्तिकर्ता रही हैं।

सूत्रों के मुताबिक, तेल विपणन कंपनियों और निजी रिफाइनरों से इस विषय पर संपर्क किया गया। रिलायंस इंडस्ट्रीजऔर पेट्रोलियम क्षेत्र की कुछ कंपनियों ने प्रतिक्रिया दी, जबकि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम से कोई जवाब नहीं मिला।

**गिरावट के बावजूद भी रूस भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता :**इसके बावजूद, रूस 2025-26 में भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। दिसंबर 2025 में भारत के कुल 11.4 अरब डॉलर के तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी 24 प्रतिशत रही। अन्य प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में इराक (2.4 अरब डॉलर), सऊदी अरब (1.8 अरब डॉलर), यूएई (1.7 अरब डॉलर) और अमेरिका (0.6 अरब डॉलर) शामिल रहे। वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों (अप्रैल-दिसंबर) में भारत ने 34 देशों से कुल 105.1 अरब डॉलर का कच्चा तेल आयात किया। इस अवधि में रूस 33.1 अरब डॉलर के साथ सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता रहा, जिसकी हिस्सेदारी 31.5 प्रतिशत रही। इसके मुकाबले, पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कुल 109.3 अरब डॉलर के आयात में रूस की हिस्सेदारी 39.9 अरब डॉलर या 36.5 प्रतिशत थी।

**अमेरिका से कच्चे तेल का आयात बढ़ा-**इसी दौरान अमेरिका से आयात बढ़ा है। दिसंबर 2025 में अमेरिका से 0.6 अरब डॉलर का कच्चा तेल आया, जो एक साल पहले 0.4 अरब डॉलर था। अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच अमेरिका ने भारत को 8.2 अरब डॉलर का तेल निर्यात किया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 5 अरब डॉलर से 7.8 प्रतिशत अधिक है। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की घोषणा करते हुए पिछले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि भारत रूसी तेल आयात को शून्य करने पर सहमत हुआ है। हालांकि, नरेंद्र मोदी सरकार ने इस दावे पर सीधे प्रतिक्रिया नहीं दी और कहा कि 1.4 अरब भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

# रातोंरात टीचर बनी करोड़पति, दुनिया में बनी पहचान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** रूबल नागी एक टीचर और एक्टिविस्ट हैं। रातोंरात वह करोड़पति बन गई हैं। उन्हें झुग्गियों की दीवारों पर एजुकेशनल म्यूरल पेंट करने के लिए जाना जाता है। इन म्यूरल या भित्तिचित्र ने उनकी दुनिया में पहचान बना दी है। रूबल नागी ने सैकड़ों लर्निंग सेंटर बनाए हैं। हाल में उन्होंने ग्लोबल टीचर प्राइज जीता। इसमें 10 लाख डॉलर (करीब 9 करोड़ रुपये) की प्राइज मनी है। यह अवॉर्ड वर्की फाउंडेशन देता है। इसके फाउंडर सनी वर्की हैं। इस फाउंडेशन ने जेम्स एजुकेशन कंपनी शुरू की है। यह मिस्र, कतर और संयुक्त अरब अमीरात में कई स्कूल चलाती है। म्यूरल इमारतों की दीवारों और छतों पर की जाने वाली कलाकारी है। सामान्य पेंटिंग की तरह कैनवास के बजाय यह सीधे दीवार पर बनाई जाती है।

रूबल नागी को यह अवॉर्ड दुबई में वर्ल्ड गवर्नमेंट्स समिट में मिला। यह एक सालाना इवेंट है। इसमें दुनिया भर के लीडर शामिल होते हैं। रूबल नागी के रूबल नागी आर्ट फाउंडेशन ने पूरे भारत में 800 से ज्यादा लर्निंग सेंटर बनाए हैं। इनका मकसद उन बच्चों को स्ट्रक्चर्ड लर्निंग देना है जो कभी स्कूल नहीं गए। ये सेंटर उन बच्चों को भी पढ़ाते हैं जो पहले से स्कूल में हैं।

**9 करोड़ रुपये कहां लगाने का प्लान**

रूबल नागी ऐसे म्यूरल भी पेंट करती हैं जो साक्षरता, विज्ञान, गणित और इतिहास जैसे विषयों के बारे में सिखाते हैं। नागी 10 लाख डॉलर (करीब 9 करोड़ रुपये) का इस्तेमाल एक ऐसा इंस्टीट्यूट बनाने के लिए करने की योजना बना रही हैं जो मुफ्त वोकेशनल ट्रेनिंग देगा। नागी यह अवॉर्ड जीतने वाली 10वीं टीचर हैं।

### अरबों में है जेम्स का एजुकेशन बिजनेस

ग्लोबल टीचर प्राइज के पिछले विजेताओं में एक केन्याई टीचर शामिल हैं। वह दूरदराज के गांव के थे। अपनी ज्यादातर कमाई गरीबों को दे देते थे। ऐसे ही एक फिलिस्तीनी प्राइमरी स्कूल टीचर को भी यह पुरस्कार मिला है। वह अपने स्टूडेंट्स को अहिंसा के बारे में सिखाती हैं। पुरस्कार पाने वालों में एक कनाडाई एजुकेटर भी हैं। उन्होंने आर्कटिक के एक दूरदराज के गांव में स्टूडेंट्स को पढ़ाया। पिछले साल के विजेता सऊदी एजुकेटर मंसूर अल-मंसूर थे। वह गरीबों के साथ अपने काम के लिए जाने जाते थे। जेम्स एजुकेशन या ग्लोबल एजुकेशन मैनेजमेंट सिस्टम्स दुनिया के सबसे बड़े प्राइवेट स्कूल ऑपरेटरों में से एक है। माना जाता है कि इसकी कीमत अरबों में है। इसकी सफलता दुबई की सफलता के साथ चली है, जहां केवल प्राइवेट स्कूल ही उन विदेशियों के बच्चों के लिए क्लास चलाते हैं जो इसकी अर्थव्यवस्था को चलाते हैं।

## सैमसंग इनोवेशन कैंपस ने कर्नाटक में 2,000 युवाओं को प्रमाणित किया

### राज्य की भविष्य के लिए तैयार तकनीकी प्रतिभा को बढ़ावा दिया

**बेंगलुरु, एजेंसी।** भारत के सबसे बड़े उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने अपने प्रमुख सैमसंग इनोवेशन कैंपस (एसआईसी) कार्यक्रम के तहत बेंगलुरु में 2,000 छात्रों के प्रमाणन की घोषणा की, जो कर्नाटक में भविष्य के लिए तैयार प्रतिभा पूल बनाने के कंपनी के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। प्रमाणन समारोह कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलुरु में आयोजित किया गया था, और इसमें श्री बसवराज होरट्टी, माननीय अध्यक्ष कर्नाटक विधान परिषद, कर्नाटक सरकार; श्री संतोष एस लाड, श्रम और रोजगार मंत्री, कर्नाटक सरकार; श्री बिरथी सुरेश, शहरी विकास और नगर नियोजन मंत्री, कर्नाटक सरकार ने भाग लिया; श्री सरोज अपाटो, वाइस प्रेसिडेंट स्ट्रेटेजिक पार्टनर इएसएससीआइ; डॉ. एस. वी. सुरेशा, वाइस चांसलर, यूनिवर्सिटी ऑफ़ एग्रीकल्चरल साइंसेज, बेंगलुरु; और श्री एसपी चुन, कॉर्पोरेट वाइस प्रॉसडेंट, सैमसंग साउथवेस्ट एशिया। बेंगलुरु इनिशिएटिव के तहत, स्टूडेंट्स को इंडस्ट्री के हिसाब से, उभरती टेक्नोलॉजी में हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग मिली, जिसमें 1,100 स्टूडेंट्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में और 900 स्टूडेंट्स को कोडिंग और प्रोग्रामिंग में सर्टिफाइड किया गया। सैमसंग इनोवेशन कैंपस अभी भारत के 10 राज्यों में चल रहा है और यह भारत सरकार के स्किलिंग विज़न को सपोर्ट करने के सैमसंग के कमिटमेंट का एक मुख्य पिलर है। इस मोमेंटम को आगे बढ़ाते हुए, सैमसंग ने कर्नाटक में अपने स्किलिंग इंटरवेंशन को और बढ़ाने के अपने इरादे को फिर से कन्फर्म किया, जिससे भविष्य की टेक्नोलॉजी में 20,000 स्टूडेंट्स को अपस्किल करने के अपने बड़े नेशनल लक्ष्य में योगदान मिलेगा। सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के कॉर्पोरेट वाइस प्रेसिडेंट, एसपी चुन ने कहा, सैमसंग में, हमारा मानना है कि एजुकेशन की असली अहमियत स्टूडेंट्स को असल दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार करने की उसकी काबिलियत में है।

## मैगी के भारत में 50 साल पूरे करने पर जारी स्मारक डाक टिकट

### 50 साल, एक राष्ट्र, मैगी के अनगिनत 'साथ होने के पल – अब आधिकारिक तौर पर प्रमाणित

**भोपाल।** नेस्ले इंडिया ने भारत में मैगी के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर एक विशेष उपलब्धि का जश्न मनाते हुए एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। इस डाक टिकट का अनावरण नेस्ले इंडिया के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर श्री मनीष तिवारी ने भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री चिराग पासवान की उपस्थिति में किया। यह डाक टिकट मैगी की उस विकास यात्रा को समर्पित है, जिसमें ब्रांड ने समय से आगे रहते हुए एक अत्यंत लोकप्रिय श्रेणी के पर्याय के रूप में अपनी पहचान बनाई और पीढ़ियों से लोगों को एक साथ लाने का कार्य निरंतर किया। पिछले पाँच दशकों में मैगी ने नूडल्स और मसालों से लेकर सॉस, सूप और रेडी-टू-कुक पसंदीदा उत्पादों तक, कई स्वादिष्ट रूपों में भारतीय घरों में अपनी जगह बनाई है। झटपट बने अकेले भोजन से लेकर परिवार को एक साथ लाने वाले व्यंजनों तक, और हॉस्टल की रसोइयों से लेकर बड़े पारिवारिक आयोजनों तक, मैगी देश भर में अनगिनत भोजन पलों का हिस्सा रही है। 50 ईयर्स ऑफ़ टुगेदरनेस डाक टिकट इन साझा अनुभवों को समर्पित एक श्रद्धांजलि है, जो उस अपनापन, सुकून और जुड़ाव को दर्शाता है, जिसे मैगी आज भी भारत भर की थालियों तक पहुँचाती है। भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री चिराग पासवान ने कहा,भारत का प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र पिछले कई दशकों में घरेलू उपभोक्ताओं का विश्वास अर्जित करने में उल्लेखनीय रूप से आगे बढ़ा है।

## कोटक फ्लेक्सी कैप फंड ने अपनी लॉन्ग टर्म वेल्थ क्रिएशन जर्नी के पूरे किए 15 साल

- **इस फंड ने शुरू होने से अब तक 16.59 प्रतिशत की सालाना औसत ग्रोथ दिखाई है, जो अलग-अलग मार्केट साइकिल में इसके मजबूत और लगातार मजबूत प्रदर्शन को दिखाती है।**

**मुंबई, एजेंसी।** कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने कोटक फ्लेक्सी कैप फंड के 15 साल पूरे होने की घोषणा की। इस योजना ने शुरू होने से अब तक 16.59 प्रतिशत की सालाना औसत रिटर्न दिया है और अलग-अलग मार्केट साइकिल में लंबी अवधि में मजबूत प्रदर्शन किया है।

कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, नीलेश शाह ने कहा कि, कोटक फ्लेक्सी कैप फंड के 15 साल पूरे होना हमारे लिए और उन निवेशकों के लिए गर्व की बात है, जो लगातार इस फंड से जुड़े रहे हैं। फ्लेक्सी कैप फंड की कैटेगरी आज भी बहुत अहम है, क्योंकि यह निवेशकों को भारत की ग्रोथ की यात्रा में अलग-अलग सेगमेंट्स में निवेश का मौका देती है, जबकि मार्केट कैपिटलाइजेशन से जुड़े फैसले एक अनुभवी निवेश टीम पर छोड़ दिए जाते हैं।

31 दिसंबर 2025 तक, कोटक फ्लेक्सी कैप फंड डायरेक्ट प्लान - ग्रोथ ऑप्शन ने पिछले 10 साल में 15.70 फीसदी और पिछले 5 साल में 16.87 फीसदी की सालाना औसत रिटर्न दिया है। इस फंड का मैनेजमेंट हर्ष उपाध्याय कर रहे हैं, जो कोटक महिंद्रा एएमसी के सीआईओ हैं। उनकी निवेश को लेकर सोच सटेबल इनकम, मजबूत कॉर्पोरेट गवर्नेंस और पूंजी के सही उपयोग पर आधारित है। हर्षा उपाध्याय ने कहा कि, कोटक फ्लेक्सी कैप फंड ने पिछले 15 साल में अलग-अलग मार्केट फेज को सफलतापूर्वक पार किया है, क्योंकि यह हमेशा मजबूत और लंबे समय तक कमाई करने वाली कंपनियों में निवेश पर केंद्रित रहा है, जिनमें पूंजी का सही इस्तेमाल होता है। हमारा फोकस हमेशा गहराई से की गई रिसर्च पर आधारित सही शेयर चुनने पर रहा है, न कि थोड़े समय के ट्रेंड्स के पीछे भागने पर। इसी सोच की वजह से यह फंड भारत की ग्रोथ स्टोरी में अच्छी भागीदारी कर पाया है और निवेशकों को लंबे समय में लगातार अच्छे नतीजे देने की कोशिश करता रहा है।

### फ्रैंकलिन टेम्पलटन इंडिया का राष्ट्रव्यापी कैम्पेन

## चेंज द सोच - कन्याकुमारी टू कश्मीर ड्राइव, म्यूचुअल फंड इन्वेस्टिंग के बारे में निवेशकों में जागरूकता बढ़ाने के लिए सागर पहुंचा

**सागर , एजेंसी।** फ्रैंकलिन टेम्पलटन इंडिया का चेंज द सोच - कन्याकुमारी टू कश्मीर ड्राइव - अपनी तरह का पहला देशव्यापी कैम्पेन सागर शहर पहुंचा, जिसका मकसद खासकर महिलाओं के बीच फाइनेंशियल एम्पावरमेंट को बढ़ावा देना है। भारत में फ्रैंकलिन टेम्पलटन के 30 साल पूरे होने के मौके पर यह 30-दिवसीय यात्रा देश के दक्षिणी सिरे कन्याकुमारी से शुरू हुई, जिसमें 21 शहरों को कवर किया गया, और यह श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर में खत्म होगी। इंटरैक्टिव फाइनेंशियल एजुकेशन सेशन, एक्सपर्ट की राय और कम्युनिटी जुड़ाव के जरिए, इस ड्राइव का मकसद म्यूचुअल फंड इन्वेस्टिंग को आसान बनाना और हजारों भारतीयों में अपने फाइनेंशियल भविष्य की जिम्मेदारी लेने का आत्मविश्वास जगाना है।

फ्रैंकलिन टेम्पलटन इंडिया के प्रेसिडेंट अविनाश सतवालकर इस ड्राइव का नेतृत्व कर रहे हैं, और देश भर में इस यात्रा के ज़रिए फाइनेंशियल इन्क्लूजन को बढ़ावा देंगे। वह हर दूसरे दिन एक नए शहर या गांव में रुक रहे हैं और महिलाओं के अलग-अलग ग्रुप के लिए इन्वेस्टर एजुकेशन वर्कशॉप आयोजित कर रहे हैं, जिसमें जीवन के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए बचत, निवेश और लंबे समय तक धन बनाने के महत्व पर ज़ोर दिया जा रहा है। इस पहल में कई तरह के प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं, जिनमें ज्यादातर महिलाएं होंगी, जिनमें किसान (मछुआरा समुदायों से लेकर अलग-अलग फसल उगाने वाले), शिक्षा जगत (छात्र, माता-पिता, स्कूल और यूनिवर्सिटी के शिक्षक), सेल्फ-हेल्प ग्रुप (खाद्य और हथकरघा क्षेत्रों में काम करने वाली महिलाएं), उद्यमी, प्राइवेट और सरकारी क्षेत्र के कर्मचारी, और सेना, नौसेना और पुलिस कर्मी शामिल हैं।

इस लॉन्च पहल पर बोलते हुएफ्रैंकलिन टेम्पलटन - इंडिया के प्रेसिडेंट अविनाश सतवालकर ने कहा, महिलाओं में फाइनेंशियल लिटरेसी भारत की लंबे समय की सामाजिक-आर्थिक प्रगति के लिए बुनियादी तौर पर आवश्यक है। शहरी केंद्रों ने महत्वपूर्ण प्रगति की है, भारत भर में लाखों महिलाएं, खासकर टियर 2 और टियर 3 क्षेत्रों में, फाइनेंशियल ज्ञान और साधनों तक पहुंच के मामले में पिछड़ गई हैं। इस पहल के ज़रिए हम अलग-अलग क्षेत्रों की महिलाओं के साथ जुड़ेंगे और उन्हें बचत करने, निवेश करने और डिजिटल फाइनेंस अपनाने के ज्ञान और आत्मविश्वास के साथ सशक्त बनाएंगे। उन्होंने आगे कहा, जब महिलाएं सोच-समझकर फाइनेंशियल फैसले लेती हैं, तो परिवार मज़बूत हो सकते हैं, समुदाय समृद्ध हो सकते हैं और देश समावेशी विकास के करीब पहुंचता है। इस अंतर को दूर करना सिर्फ शिक्षा से कहीं ज्यादा है - यह 2047 तक भारत के विकसित भारत के लक्ष्य और एक अधिक समावेशी और टिकाऊ फाइनेंशियल इकोसिस्टम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

## अनुशासन के साथ विकास को गति, इंफ्रास्ट्रक्चर पर ज़ोर और भविष्य की अर्थव्यवस्था की तैयारी : आशीषकुमार

**मुंबई, एजेंसी।** एनएसई के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ आशीषकुमार चौहान ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27, जो कर्तव्य भवन से पेश किया गया पहला बजट है और माननीय वित्त मंत्री का लगातार नौवां बजट है, यह साफ संदेश देता है कि तेज़ आर्थिक विकास और वित्तीय अनुशासन साथ-साथ चल सकते हैं। यह बजट वित्तीय संतुलन के रास्ते पर मजबूती से बना हुआ है। इसमें राजकोषीय घाटा जीडीपी के 4.4 प्रतिशत से घटकर 4.3 प्रतिशत कर दिया गया है और कर्ज-से-जीडीपी अनुपात 56.1 प्रतिशत से घटकर 55.6 प्रतिशत हो गया है। इससे भारत वित्त वर्ष 2031 तक 50 प्रतिशत के लक्ष्य की ओर सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह सब मिलकर निवेशकों और बाजारों को यह भरोसा देता है कि देश की अर्थव्यवस्था स्थिर है और सरकार की नीतियाँ भरोसेमंद हैं। इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास का सबसे बड़ा आधार बना हुआ है। सार्वजनिक कैपेक्स में करीब 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर इसे ?12.2 लाख करोड़ किया गया है। इसका मकसद निजी निवेश को आकर्षित करना, उत्पादकता बढ़ाना और लॉजिस्टिक्स लागत कम करना है। बजट में वित्तीय बाजारों को और मजबूत करने के लिए संतुलित कदम भी उठाए गए हैं। इनमें डेरिवेटिव्स पर एसएसटी बढ़ाना ताकि जरूरत से ज्यादा सट्टेबाजी पर रोक लगे, आरईआईटी के जरिए पीएसयू संपत्तियों का मुद्रीकरण, बॉन्ड इंडेक्स डेरिवेटिव्स की शुरुआत, और कॉरपोरेट बॉन्ड्स के लिए बेहतर मार्केट-मेकिंग व्यवस्था शामिल है। इसके अलावा, गिफ्ट सिटी में आय पर कर छूट की अवधि 10 साल से बढ़ाकर 20 साल कर दी गई है, जिससे यह एफपीआई के लिए और ज्यादा आकर्षक बन जाएगी।

# फाइन एसर्स ने व्यंडहम के साथ रणनीतिक गठबंधन में डोल्से होटल्स एंड रिसॉर्ट्स को भारत में पेश किया

**उदयपुर, एजेंसी।** भारतीय हॉस्पिटैलिटी उद्योग एक नए युग में प्रवेश कर रहा है और इस परिवर्तन का नेतृत्व फाइन एसर्स कर रहा है। इस बदलाव को गति देते हुए, फाइन एसर्स ने दुनिया की सबसे बड़ी होटल फ्रेंचाइजिंग कंपनी व्यंडहम होटल्स एंड रिसॉर्ट्स के साथ एक रणनीतिक गठबंधन की घोषणा की है, जिसके अंतर्गत डोल्से होटल्स एंड रिसॉर्ट्स को पहली बार भारत में पेश किया जा रहा है। श्री दिनेश यादव के नेतृत्व में विकसित, इस सहयोग के अंतर्गत भारत में दो प्रतिष्ठित परियोजनाएँ लाई जा रही हैं, डोल्से बाय व्यंडहम गोवा और डोल्से बाय व्यंडहम उदयपुर, जो भारत के उत्कृष्ट लाइफस्टाइल और डेस्टिनेशन-आधारित हॉस्पिटैलिटी श्रेणी में एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगें। इन दोनों परियोजनाओं के ब्रांड साइनिंग समारोह के साथ ही व्यंडहम ग्रैंड जयपुर आमेर का औपचारिक शुभारंभ भी किया गया, जो फाइन एसर्स के वैश्विक ब्रांडेड हॉस्पिटैलिटी पोर्टफोलियो को और मजबूत करता है। कोडियात स्थित आगामी डोल्से रिसॉर्ट उदयपुर में आयोजित भव्य गाला साइनिंग समारोह में वरिष्ठ उद्योग जगत की हस्तियाँ, बॉलीवुड सितारें, वैश्विक निवेशक, प्रमुख हितधारक और व्यंडहम होटल्स एंड रिसॉर्ट्स के अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। यह आयोजन केवल एक ब्रांड साइनिंग नहीं था, बल्कि फाइन एसर्स की उस सोच को दर्शाता है जिसमें हॉस्पिटैलिटी केवल संरचनाओं तक सीमित नहीं, बल्कि अनुभवों, भावनात्मक जुड़ाव और स्थायी यादों से परिभाषित होती है।

इस गठबंधन के केंद्र में यह साझा विश्वास है कि आज की हॉस्पिटैलिटी को केवल ठहरने की सुविधा से आगे बढ़कर सार्थक अनुभव, भावनात्मक जुड़ाव और दीर्घकालिक यादें बनानी चाहिए, साथ ही संचालन की दृष्टि से मजबूत और व्यावसायिक रूप से टिकाऊ भी होना चाहिए। डोल्से बाय व्यंडहम को अपस्केल लाइफस्टाइल और डेस्टिनेशन डब्ल्यू श्रेणी में स्थापित किया गया है, जिसकी वैश्विक उपस्थिति यूरोप, उत्तरी अमेरिका और अन्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों में विशिष्ट रिसॉर्ट्स और कॉन्फ्रेंस-आधारित होटलों के रूप में है। गोवा और उदयपुर में ब्रांड का प्रवेश मजबूत माँग, प्रतिष्ठित पहचान और तेजी से विकसित हो रहे प्रीमियम हॉस्पिटैलिटी परिदृश्य के कारण एक आदर्श शुरुआत प्रदान करता है। डोल्से रिसॉर्ट बाय व्यंडहम गोवा, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के साथ-साथ तेजी से बढ़ते वेडिंग और डब्ल्यू श्रेणी की माँग को ध्यान में रखकर विकसित किया जा रहा है। भारत का सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों वाला गंतव्य होने के कारण, गोवा प्रीमियम ब्रांडेड हॉस्पिटैलिटी के लिए साल भर स्थिर ऑक्यूपेंसी और मजबूत राजस्व संभावनाएँ प्रदान करता है।डोल्से रिसॉर्ट बाय व्यंडहम उदयपुर, अरावली पर्वतमाला से घिरा हुआ है। उदयपुर देश में सबसे अधिक ।क्त् वाला बाजार है और लक्जरी वेडिंग्स व अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए अग्रणी गंतव्यों में से एक है, जिससे यह भारत के सबसे मजबूत और उच्च प्रदर्शन करने वाले हॉस्पिटैलिटी बाजारों में शामिल होता है। जयपुर के ऐतिहासिक आमेर क्षेत्र में स्थित, व्यंडहम ग्रैंड जयपुर आमेर आधुनिक वैश्विक लक्जरी को राजस्थान की समृद्ध शाही विरासत के साथ सहज रूप से जोड़ता है। विशिष्ट श्रेणी के यात्रियों, डेस्टिनेशन वेडिंग्स, बड़े सामाजिक आयोजनों और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के लिए डिजाइन की गई यह संपत्ति राजस्थान में एक प्रतिष्ठित और यादगार लैंडमार्क बनने की दिशा में अग्रसर है। इन रिसॉर्ट्स को यूनिट सेल्स मॉडल के तहत विकसित किया जाएगा, जिसमें लगभग 70 प्रतिशत यूनिट्स व्यक्तिगत निवेशकों को बेची जाएँगी और उन्हें एक प्रबंधित रेंटल पूल में पूरी तरह लीज-बैक किया जाएगा, जिससे पेशेवर संचालन और दीर्घकालिक मूल्य सृजन सुनिश्चित होगा। इस अवसर पर फाइन एसर्स के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक श्री दिनेश यादव ने कहा हमें इन प्रतिष्ठित परियोजनाओं के लिए एक बार फिर व्यंडहम होटल्स एंड रिसॉर्ट्स के साथ साझेदारी कर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है, जिससे हमारा दीर्घकालिक संबंध और सुदृढ़ हुआ है। भारत में प्रीमियम रिसॉर्ट्स और डेस्टिनेशन वेडिंग स्थलों की बढ़ती माँग के बीच, डोल्से गोवा और डोल्से उदयपुर विश्व-स्तरीय हॉस्पिटैलिटी प्रदान करेंगे। व्यंडहम होटल्स एंड रिसॉर्ट्स के साथ यह साझेदारी भारत के हॉस्पिटैलिटी परिदृश्य में 5,000 यूनिट्स के हमारे व्यापक विजन की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञता और स्थानीय समझ का संतुलन है हमारा उद्देश्य ऐसे डेस्टिनेशन्स का निर्माण करना है जो आज की लक्जरी अपेक्षाओं को पूरा करें और आने वाले वर्षों में टिकाऊ रिटर्न, संचालन में निरंतरता और मजबूत ब्रांड पहचान प्रदान करें। यह साझेदारी हमारे निवेशकों और भागीदारों के प्रति पारदर्शिता, विश्वास और दीर्घकालिक मूल्य सृजन की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस साझेदारी पर व्यंडहम होटल्स एंड रिसॉर्ट्स के प्रेसिडेंट (म्डम।) श्री दिमित्रिस मैनिकिस ने कहाः डोल्से गोवा और डोल्से उदयपुर का साइनिंग व्यंडहम के लिए एक विशिष्ट उपलब्धि है, क्योंकि हम डोल्से ब्रांड को भारत में प्रस्तुत कर रहे हैं। गोवा और उदयपुर देश के सबसे प्रतिष्ठित गंतव्यों में से हैं और ये रिसॉर्ट्स व्यवसाय और छुट्टियों के संगम के लिए डोल्से की ब्रांड की स्थिति को पूर्ण रूप से दर्शाएँगे। व्यंडहम होटल्स एंड रिसॉर्ट्स के मार्केट मैनेजिंग डायरेक्टर (यूरेशिया) श्री राहुल मैकारियस ने कहाः हम भारत में अपने अपस्केल लाइफस्टाइल डोल्से ब्रांड को पेश करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। प्रेरणादायक वातावरण पर केंद्रित, डोल्से प्रॉपर्टीज सुंदर डिजाइन, व्यक्तिगत सेवा और सोच-समझकर रचे गए अनुभवों के माध्यम से मीटिंग्स, आयोजनों और छुट्टियों को एक नया आयाम देती हैं।

# मोनालिसा भोसले

## की खूबसूरती के आगे बी टाउन की हसीनाएं फेल

महाकुंभ की वायरल गर्ल के नाम से फेमस मोनालिसा भोसले अपनी खूबसूरती से बॉलीवुड़ एक्ट्रेस को मात देती हैं। मोनालिसा की तस्वीरें आए दिन सोशल मीडिया पर आग लगाए रहती हैं। साल 2025 में महाकुंभ में माला बेचते हुए एक लड़की मोनालिसा ऐसी वायरल हुई की देखते ही देखते वो इंटरनेट सेंशन बन गई। अब मोनालिसा की फिल्मों में भी एंट्री हो चुकी है और जल्द ही उनकी पहली बॉलीवुड फिल्म की शूटिंग प्रयागराज में ही शुरू होने वाली है। वहीं महाकुंभ में माला बेचने से एक्ट्रेस बनने तक के सफर में मोनालिसा के ट्रांसफॉर्मेशन ने भी हर किसी को हैरान किया है। आज मोनालिसा बला की हसीन हो चुकी हैं। अपनी बड़ी-बड़ी कजरारी आंखों से लागों लोगों के दिलों का करार लूटने वाली मोनालिसा का लुक अब काफी बदल चुका है और वो खूबसूरती में बी टाउन की हसीनाओं को फेल कर रही हैं। अपनी बड़ी-बड़ी कजरारी आंखों से लागों लोगों के दिलों का करार लूटने वाली मोनालिसा का लुक अब काफी बदल चुका है और वो खूबसूरती में बी टाउन की हसीनाओं को फेल कर रही हैं। मोनालिसा इंडियन आउटफिट हो या फिर वेस्टर्न ड्रेस हर किसी में बला की हसीन लगती हैं। आज मोनालिसा के ड्रेसिंग सेंस और लुक को देखकर कहना मुश्किल है कि ये वही लड़की है जो कभी महाकुंभ मेले में माला बेचा करती थी। मोनालिसा की खूबसूरती में निखार को आ ही रहा है ऊपर से उनकी बड़ी -बड़ी आंखें उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा देती हैं. उनकी इस तस्वीर से नजरें हटाना मुश्किल है। मोनालिसा की खूबसूरती में निखार को आ ही रहा है ऊपर से उनकी बड़ी -बड़ी आंखें उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा देती हैं. उनकी इस तस्वीर से नजरें हटाना मुश्किल है। मोनालिसा का हर अंदाज फैंस को खूब भाता है और वे भी एक से बढ़कर एक पोज में तस्वीरें क्लिक कराती रहती हैं।

# नोरा फतेही

## कभी तंगहाली में जी जिंदगी अब जीती हैं लग्जरी लाइफ

टीवी इंडस्ट्री हो या बॉलीवुड इंडस्ट्री बहुत सारी एक्ट्रेसेस ऐसी हैं, जिन्होंने सक्सेसफुल होने से पहले काफी मुश्किलों में गुजारा किया है। ऐसी ही कहानी बॉलीवुड की इस हसीना की भी है। टीवी इंडस्ट्री हो या बॉलीवुड इंडस्ट्री बहुत सारी एक्ट्रेसेस ऐसी हैं, जिन्होंने सक्सेसफुल होने से पहले काफी मुश्किलों में गुजारा किया है। ऐसी ही कहानी बॉलीवुड की इस हसीना की भी है। मायानगरी मुंबई में आए दिन हजारों लोग आते हैं, जो अपनी आंखों में स्टार बनने का सपना लिए होते हैं। ये हसीना कोई और नहीं बल्कि कनाडा में जन्मी और पली-बढ़ी नोरा फतेही हैं। जो मुंबई स्टार बनने के लिए आई थीं। उस दौरान उनके पास सिर्फ 5000 रुपये ही थे। उन्हें काफी मुश्किलों में गुजारा करना पड़ा। नोरा अब ना सिर्फ इंडस्ट्री में अपना नाम बना चुकी हैं। बल्कि काफी लग्जरी लाइफ भी जीती हैं। लेकिन, इंडस्ट्री में सक्सेस पाने के लिए उन्हें काफी स्ट्रगल करना पड़ा। एक इंटरव्यू के दौरान नोरा ने अपने स्ट्रगल के दिनों को याद करते हुए कई खुलासे किए थे। नोरा का जन्म मॉन्ट्रियल,कनाडा में हुआ था। नोरा के पिता इंडिया से हैं। नोरा ने कहा था कि वो बचपन से ही फिल्ममेकिंग में जाना चाहती थीं। इसी वजह से वो बॉलीवुड में किस्मत आजमाने इंडिया आई। हालांकि, अब वो एक बेहतरीन डांसर के तौर पर जानी जाती हैं। नोरा ने बताया कि जब वो इंडिया आई थीं तब वो एक तीन बीएचके फ्लैट में रहती थीं, जिसमें 9 लोग रहा करते थे। नोरा को दो और लड़कियों के साथ रूम शेयर करना पड़ता था । नोरा ने बताया कि जब वो इंडिया आई थीं।शरू वाती दिनों में उन्हें काफी मुश्किलों से गुजरना करना पड़ा ँ अब काफी लग्जरी लाइफ जीती हैं।

## 8 घंटे की शिफ्ट टीवी के लिए संभव नहीं

## अर्जुन बिजलानी

टीवी की दुनिया बाहर से जितनी चमकदार और रंगीन दिखाई देती है, अंदर से उतनी ही दबाव से भरी होती है। दर्शक रोज अपने पसंदीदा कलाकारों को टीवी स्क्रीन पर देखते हैं, लेकिन उनकी मेहनत, थकान और मानसिक तनाव से अनजान रहते हैं। घंटों शूटिंग, लगातार काम का दबाव और निजी जीवन के लिए कम समय, ये सब टीवी कलाकारों की रोजमर्रा जिंदगी का हिस्सा है। इसी मुद्दे पर छोटे पर्दे के जाने-माने अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने आईएएनएस से खुलकर बात की है और बताया है कि टीवी इंडस्ट्री में काम करना कितना कठिन होता है। अर्जुन बिजलानी ने टीवी इंडस्ट्री के लंबे वर्किंग आवर्स को बेहद मुश्किल बताया। उन्होंने कहा, 'कागज पर भले ही 12 घंटे की शिफ्ट लिखी जाती हो, लेकिन असल में कलाकारों का पूरा दिन काम में ही निकल जाता है। शूटिंग के अलावा सेट तक आने-जाने का समय, मेकअप, और कई बार ओवरटाइम भी इसमें जुड़ जाता है, जिससे काम के घंटे और बढ़ जाते हैं। 'अर्जुन ने उदाहरण देते हुए कहा, ''अगर किसी कलाकार की शूटिंग सुबह 9 बजे से शुरू होती है, तो उसे सुबह 7 बजे उठना पड़ता है। 8 बजे तक घर से निकलना जरूरी होता है ताकि समय पर सेट पहुंचा जा सके। खासकर महिला कलाकारों को कई बार और भी जल्दी बुलाया जाता है, क्योंकि उन्हें मेकअप और तैयार होने में ज्यादा समय लगता है। इस वजह से उनका दिन और भी लंबा हो जाता है।''उन्होंने कहा, ''शूटिंग अक्सर रात 9 बजे तक चलती है और कई बार इससे भी देर हो जाती है। शूट खत्म होने के बाद भी कलाकारों को मेकअप उतारने और कपड़े बदलने में समय लगता है। इसके बाद ट्रैफिक में घर लौटना एक अलग चुनौती होती है। कई बार कलाकार रात के काफी देर से घर पहुंचते हैं, जब शरीर पूरी तरह थक चुका होता है।'' अर्जुन बिजलानी ने कहा, ''सबसे मुश्किल बात यह है कि अगले दिन फिर वही दिनचर्या दोहरानी पड़ती है। शरीर को पूरा आराम मिलने से पहले ही फिर से काम पर निकलना पड़ता है। लगातार ऐसा होने से मानसिक और शारीरिक थकान बढ़ती जाती है, जिसका असर कलाकारों की सेहत पर भी पड़ता है।'

## 'उरी उरी बाबा' की शूटिंग के दौरान सोनम खान के पैरों में पड़ गए थे छाले, अभिनेत्री ने सालों बाद बयां किया दर्द

'त्रिदेव', 'विश्वात्मा', 'अजूबा', 'मिट्टी और सोना', और 'क्रोध' जैसी फिल्मों में काम कर अपने अभिनय का लोहा मनवाने वाली अभिनेत्री सोनम खान सोशल मीडिया पर अक्सर पुरानी फिल्मों के किस्से शेयर करती रहती हैं। अभिनेत्री ने ऐसी ही फिल्म 'दुश्मन देवता' के गाने 'उरी उरी बाबा' का एक मजेदार किस्सा शेयर किया। दरअसल, अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के जरिए गाने का किस्सा शेयर करते हुए बताया कि इसकी शूटिंग के दौरान उन्हें नंगे पैर डांस करना पड़ा, जिसकी वजह से उनके पैरों में छाले भी पड़ गए थे। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर गाने का क्लिप शेयर किया। इसमें अभिनेत्री सूरज पंचोली के साथ नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट कर लिखा, 'हां, ये मैं ही हूं। उरी उरी बाबा... इस गाने की शूटिंग के दौरान बहुत ज्यादा गर्मी थी। मुझे नंगे पैर डांस करना पड़ा और पैरों में छाले भी पड़ गए। ' फैंस को सोनम का पोस्ट काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। साल 1991 में रिलीज हुई फिल्म 'दुश्मन देवता' का गाना 'उरी उरी बाबा' ऊषा उथुप ने गाया है, जबकि लिरिक्स अंजान ने लिखे हैं और बप्पी लहरी ने इसका संगीत तैयार किया है।

## घूसखोर पंडत काल्पनिक फिल्म है, इसका किसी जाति से कोई संबंध नहीं : नीरज पांडे और मनोज बाजपेई

नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली फिल्म घूसखोर पंडत के नाम को लेकर आलोचनाओं के बाद अभिनेता मनोज बाजपेई और फिल्म निर्माता नीरज पांडे ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि इसकी कहानी एक काल्पनिक किरदार पर आधारित है तथा इसका किसी भी जाति या समुदाय से कोई संबंध नहीं है। नेटफ्लिक्स की इस फिल्म को एक दिन पहले अपने नाम को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा जिसके बाद यह बयान सामने आया है। इस विवाद के कारण उत्तर प्रदेश के हजरतगंज पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है, वहीं एक शिकायत के बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को नोटिस जारी किया है। सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में पांडे ने स्वीकार किया कि फिल्म के शीर्षक से दर्शकों के एक वर्ग की भावनाएं आहत हुई हैं और उन्होंने कहा कि फिलहाल फिल्म से जुड़ी सभी प्रचार सामग्री हटा ली जाएगी। इस सप्ताह की शुरुआत में फिल्म की घोषणा के बाद इसके नाम को लेकर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली थी। कई उपयोगकर्ताओं ने इसे असंवेदनशील और अपमानजनक बताया।राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने बृहस्पतिवार को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को नोटिस जारी किया। यह नोटिस एक शिकायत के बाद दिया गया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि ओटीटी मंच पर रिलीज होने वाली आगामी फिल्म का नाम नकारात्मक रूढ़ियों को बढ़ावा देता है और एक मान्यता प्राप्त सामाजिक समूह को बदनाम करता है। पांडे ने कहा कि यह फिल्म एक काल्पनिक पुलिस ड्रामा है और पंडत शब्द का उपयोग केवल एक काल्पनिक पात्र के बोलचाल वाले नाम के तौर पर किया गया है। उन्होंने कहा, इस फिल्म की कहानी एक व्यक्ति के कृत्यों और उसकी पसंदानापसंद पर केंद्रित है और यह किसी भी जाति धर्म या समुदाय को निशाना नहीं बनाती है। एक फिल्म निर्माता के रूप में मैं अपने काम को जिम्मेदारी के साथ करता हूं ताकि कहानियां विचारपूर्ण और सम्मानजनक हों। फिल्म के मुख्य अभिनेता मनोज बाजपेई ने कहा कि वह लोगों की भावनाओं और चिंताओं का सम्मान करते हैं और उन्हें गंभीरता से लेते हैं। उन्होंने कहा, जब किसी फिल्म या काम से कुछ लोगों को दुख पहुंचता है, तो कलाकार को रुककर सोचना चाहिए और लोगों की बात सुननी चाहिए। एक अभिनेता के तौर पर मैं किसी फिल्म में उसके किरदार और कहानी के जरिए जुड़ता हूं। मेरे लिए यह भूमिका एक ऐसे व्यक्ति को दिखाने की थी जो कमज़ोरियों और गलतियों से भरा इंसान है और जो धीरे-धीरे खुद को समझने की यात्रा पर निकलता है। यह फिल्म या किरदार किसी भी समुदाय के बारे में नहीं है। यह आगामी क्राइम थ्रिलर अजय दीक्षित उर्फ पंडत की कहानी है, जो एक भ्रष्ट पुलिस अधिकारी है। एक रात उसकी योजनाएं तब बिगड़ जाती हैं जब वह खुद को दिल्ली के बीचों-बीच एक वैश्विक साजिश के बीच फंसा हुआ पाता है। फिल्म की घोषणा मंगलवार को नेटफ्लिक्स के एक कार्यक्रम में की गई थी। इसका निर्देशन रितेश शाह ने किया है, जिन्होंने पांडे के साथ मिलकर इसकी कहानी भी लिखी है। इसे पांडे ने अपने बैनर फ्राइडे फिल्मवर्क्स के तहत प्रोड्यूस किया है।

## जिया शंकर और एल्विश की 'सगाई' का सच

# यह कोई नया प्रोमो?

इसका जवाब अभी साफ नहीं है। एल्विश के अकाउंट पर पोस्ट की गई एक स्टोरी, जिसके कैप्शन में लिखा था 'प्यार को एक और मौका दिया और मुझे मेरा दिल मिल गया,' ने इस बात की अटकलें लगाई हैं कि दोनों डेट कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर इस वक्त केवल एक ही चर्चा है- क्या जिया शंकर और एल्विश यादव ने सगाई कर ली है? 'बिग बॉस ओटीटी 2' के इन दो चर्चित कंटेस्टेंट्स की एक तस्वीर ने इंटरनेट पर तूफान ला दिया है। एल्विश यादव द्वारा साझा की गई एक मिस्ट्री फोटो, जिसमें एक लड़की के हाथ में हीरे की अंगूठी चमक रही है, ने फैंस को हैरान और उत्साहित कर दिया है। दोनों सितारों के फैंस हैरान हैं क्योंकि पहले कभी इन दोनों को एक साथ नहीं देखा गया था। जिया और एल्विश की वायरल 'एंगेजमेंट' तस्वीर की सच्चाई क्या हो सकती है, इसका जवाब अभी साफ नहीं है। एल्विश के अकाउंट पर पोस्ट की गई एक स्टोरी, जिसके कैप्शन में लिखा था 'प्यार को एक और मौका दिया और मुझे मेरा दिल मिल गया,' ने इस बात की अटकलें लगाई हैं कि दोनों डेट कर रहे हैं। साथ ही, यह भी हो सकता है कि यह पोस्ट किसी आने वाले प्रोजेक्ट के प्रमोशन से जुड़ा हो। कन्फ्यूजन को और बढ़ाते हुए, जिया शंकर ने हाल ही में एक मिस्ट्री मैन के साथ एक तस्वीर शेयर की, और फोटो में दिख रहा शख्स बिल्कुल भी एल्विश जैसा नहीं लग रहा है। जो लोग नहीं जानते, जिया शंकर और एल्विश यादव बिग बॉस OTT के एक ही सीजन में कंटेस्टेंट थे। जहां जिया शो से जल्दी बाहर हो गई थीं, वहीं एल्विश ने यूट्यूबर अभिषेक मल्हान को हराकर सीजन जीत लिया था। अपनी जीत के बाद, एल्विश ने रोडीज़ के लेटेस्ट सीजन में गैंग लीडर की भूमिका निभाई और फिलहाल भारती सिंह और शेफ हरपाल सिंह सोखी द्वारा होस्ट किए जाने वाले लाफ्टर शेफ्स में नज़र आ रहे हैं। दिसंबर में, ऐसी खबरें सामने आईं कि जिया इन्फ्लुएंसर फुकरा इंसान, जिन्हें अभिषेक मल्हान के नाम से भी जाना जाता है, से शादी करने वाली हैं। औपचारिक स्पष्टीकरण देने के बजाय, जिया ने इंस्टाग्राम पर एक मिस्ट्री मैन के साथ अपनी एक रोमांटिक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह आदमी उनके माथे पर धीरे से किस करता दिख रहा था। फोटो के ऊपर, उन्होंने लिखा, 'चलो 2025 में झूठी अफवाहों को छोड़ देते हैं! ', साथ में एक लाल दिल वाला इमोजी भी था। कई लोगों ने इसे मल्हान के साथ अपने रिश्ते की अटकलों को खत्म करने का उनका तरीका माना।

(साभार एजेंसी)

## अंडर 19 वर्ल्ड कप के फाइल में

# 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास

### बाबर आजम का रिकॉर्ड टूटा

**भारत ने इंग्लैंड को 412 का टारगेट दिया, अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल का सबसे बड़ा स्कोर**

हरारे (एजेंसी)। अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल भारतीय क्रिकेट के भविष्य की एक झलक बन गया, जब महज 14 साल के ओपनर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने बड़ा इतिहास रच दिया। इंग्लैंड के खिलाफ खिताबी मुकाबले में 35 रन बनाते ही वैभव ने यूथ वनडे क्रिकेट में बाबर आजम का लंबे समय से चला आ रहा रिकॉर्ड तोड़ दिया। इतना ही नहीं, 25 रन पूरे करते ही उन्होंने बांग्लादेश के अजीजुल हकीम को भी पीछे छोड़ते हुए एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। वहीं भारत ने 9 विकेट पर 412 का लक्ष्य इंग्लैड को दिया था।

### बाबर आजम से आगे निकले वैभव सूर्यवंशी

इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में वैभव सूर्यवंशी का हर रन रिकॉर्ड बुक को बदल रहा था। जैसे ही उन्होंने 35 रन पूरे किए, वह यूथ वनडे क्रिकेट में बाबर आज़म से ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ बन गए। खबर लिखे जाने तक वैभव के नाम यूथ वनडे में 1272 रन दर्ज हो चुके थे, जबकि बाबर आजम ने अपने यूथ करियर में 36 मैचों में 1271 रन बनाए थे। बाबर के खाते में इस फॉर्मेट में तीन शतक और आठ अर्धशतक थे, और उनका सर्वोच्च स्कोर 129 रन रहा।

### अजीजुल हकीम का रिकॉर्ड भी टूटा

फाइनल मुकाबले में वैभव ने एक और बड़ी छलांग लगाई। जैसे ही उन्होंने 25 रन पूरे किए, वह यूथ वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले एक्टिव खिलाड़ियों की सूची में बांग्लादेश के अजीजुल हकीम से आगे निकल गए। वैभव ने खबर लिखे जाने तक 1262 रन पूरे कर लिए थे, जबकि हकीम ने 37 मैचों में 1261 रन बनाए थे। हकीम के नाम दो शतक और नौ अर्धशतक हैं, और उनका बेस्ट स्कोर 103 रन रहा है।

### सबसे कम उम्र में सबसे बड़ी उपलब्धि

वैभव सूर्यवंशी की यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने यह रिकॉर्ड सिर्फ 14 साल की उम्र में हासिल किया है। इतनी कम उम्र में इस तरह की निरंतरता और बड़े मंच पर प्रदर्शन करना उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाता है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि वैभव का तकनीकी संतुलन और मानसिक मजबूती उन्हें आने वाले वर्षों में भारतीय क्रिकेट का बड़ा चेहरा बना सकती है।

### 175 रन बनाकर आउट, 15 चौके और 15 छक्के लगाए

अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल 2026 भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे यादगार लम्हों में शामिल हो गया, जब युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड के खिलाफ रिकॉर्डतोड़ शतक जड़कर दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। सिर्फ 14 साल की उम्र में वैभव ने न केवल फाइनल जैसे बड़े मंच पर शतक लगाया, बल्कि कई बड़े भारतीय और विश्व रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिए। उनकी निडर बल्लेबाज़ी ने यह साबित कर दिया कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। भारत ने 44 ओवर में 6 विकेट खोकर 365 रन बना लिए थे।

### फाइनल में 55 गेंदों पर विस्फोटक शतक

इंग्लैंड के खिलाफ खिताबी मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने 55 गेंदों में शतक पूरा कर इतिहास रच दिया। यह अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की ओर से लगाया गया सबसे तेज शतक है। बड़े दबाव वाले फाइनल में इतनी आक्रामक बल्लेबाज़ी करना किसी भी खिलाड़ी के लिए आसान नहीं होता, लेकिन वैभव ने शुरुआत से ही अपने इरादे साफ कर दिए। उन्होंने सटीक टाइमिंग, बेहतरीन फुटवर्क और आत्मविश्वास के साथ इंग्लिश गेंदबाज़ों को बैकफुट पर धकेल दिया।

### सबसे कम उम्र में फाइनल शतक

इस शतकीय पारी के साथ वैभव सूर्यवंशी भारत की ओर से अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल में शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज़ बन गए। 14 साल की उम्र में इस तरह का कारनामा उन्हें खास बनाता है। इससे पहले किसी भी भारतीय बल्लेबाज़ ने इतनी कम उम्र में फाइनल मुकाबले में तीन अंकों का आंकड़ा नहीं छुआ था। क्रिकेट विशेषज्ञों के मुताबिक, वैभव की यह उपलब्धि आने वाले वर्षों तक एक बेंचमार्क के तौर पर याद की जाएगी।

### एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड

वैभव की शतकीय पारी सिर्फ रन बनाने तक सीमित नहीं रही। अपनी इनिंग के दौरान जैसे ही उन्होंने पांचवां छक्का जड़ा, वह अंडर-19 वर्ल्ड कप के एक ही सीज़न में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज़ बन गए। उनकी पावर हिटिंग पूरे टूर्नामेंट में चर्चा का विषय रही। स्पिन हो या तेज़ गेंदबाज़ी, वैभव ने हर तरह के अटैक के खिलाफ बड़े शॉट्स खेलने की क्षमता दिखाई।

- **तकनीक और मानसिक मजबूती का बेहतरीन मिश्रण** – वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाज़ी सिर्फ आक्रामकता पर आधारित नहीं है। उनकी तकनीक संतुलित है और शॉट चयन काफी परिपक्व नजर आता है। फाइनल जैसे बड़े मुकाबले में उन्होंने धैर्य और आक्रमण का सही संतुलन बनाए रखा। यही वजह है कि क्रिकेट पंडित उन्हें उम्र से कहीं ज्यादा मैच्योर खिलाड़ी मान रहे हैं।

### प्लेइंग 11

- **भारत अंडर-19** – आरोन जॉर्ज, वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (डब्ल्यू), आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान पटेल, हेनिल पटेल, दीपेश देवेंद्रन
- **इंग्लैंड अंडर-19** – बेन डॉकिन्स, जोसेफ मूर्स, बेन मेयस, थॉमस रेव (विकेटकीपर/कप्तान), कैलेब फाल्कनर, राल्फी अल्बर्ट, फरहान अहमद, सेबेस्टियन मॉर्गन, जेम्स मिंटो, मैनी लम्सडेन, एलेक्स ग्रीन

# दिन-ब-दिन बेहतर महसूस कर रहा हूं

### नीदरलैंड के खिलाफ मुकाबले से पहले बोले नागल

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** भारत के नंबर एक एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह नीदरलैंड के खिलाफ भारत के डेविस कप मुकाबले से पहले कूल्हे की मामूली चोट से उबरने के दौरान दिन-ब-दिन बेहतर महसूस कर रहे हैं। नागल खराब फॉर्म और उसके कारण खराब नतीजों की वजह से मुश्किलों से भरे 2025 सत्र के बाद विश्व रैंकिंग में 281वें स्थान पर खिसक गए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन हफ्तों के एकाग्र रिहैबिलिटेशन ने उन्हें मुकाबले में उतरने से पहले आत्मविश्वास दिया है।

नागल ने ट्रेनिंग सत्र के बाद कहा, अच्छा महसूस कर रहा हूं, दिन-ब-दिन बेहतर महसूस कर रहा हूं। मैं पिछले दो-तीन हफ्तों से बहुत मेहनत कर रहा हूं। मेरे लिए शिविर बैंकॉक के ठीक बाद शुरू हो गया था। मुझे वहां इतना अच्छा महसूस नहीं हो रहा था लेकिन मैं उसी रात वापस आ गया, अपना रिहैब शुरू किया और सच कहूं तो मुझे कोई शिकायत नहीं है। मैंने डेविस कप के लिए तैयार होने के लिए वह सब कुछ किया जो मैं कर सकता था।

इस 27 वर्षीय खिलाड़ी को बैंकॉक में कूल्हे में चोट लगी थी और उन्होंने माना कि उबरने का दौर मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण था। इस सुझाव के बावजूद कि धीमे कोर्ट भारत के लिए बेहतर हो सकते थे नागल ने बेंगलुरु में मुकाबला आयोजित करने के फैसले का समर्थन किया और नीदरलैंड के खिलाड़ियों की ताकत की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, (जेस्पर) डि जोंग और गाय (डेन ओडेन), वे दोनों क्ले कोर्ट पर बहुत अच्छे हैं। उन्होंने उस सतह पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए मुझे लगता है कि यह अच्छा हुआ कि हमने बेंगलुरु को चुना। मैं यहां सहज हूं, मैंने अपने करियर में इन परिस्थितियों में खेलते हुए बहुत समय बिताया है।

# सुप्रीम कोर्ट ने अनुराग ठाकुर पर 9 साल पुराना बैन हटाया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने बीसीसीआई के पूर्व प्रेसिडेंट अनुराग ठाकुर से लाइफ टाइम बैन हटा दिया है। कोर्ट ने गुरुवार को अपने 9 साल पुराने फैसले को बदला है। उसमें ठाकुर को बोर्ड से दूर रहने को कहा गया था।

अब वे भारतीय क्रिकेट के संचालन में बोर्ड के कामकाज में शामिल हो सकेंगे। कोर्ट ने कहा कि उन पर जिंदगी भर का प्रतिबंध लगाना न तो सही था और न ही इसका कोई इरादा था। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने कहा- यह आनुपातिकता के सिद्धांत को लागू करने का सही मामला है। बेंच ने यह भी साफ कर दिया कि अनुराग ठाकुर पहले ही बिना शर्त माफी मांग चुके हैं, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया था। साल 2017 में लोढ़ा कमेटी की सिफारिशों को लागू न करने की वजह से अनुराग ठाकुर को पद से हटाया गया था। लोढ़ा कमेटी के नियमों में आयु सीमा और सरकारी पद जैसे कई कड़े प्रावधान शामिल थे।

**2017 में लगा था अनुराग ठाकुर पर बैन** – सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 2 जनवरी, 2017 के फैसले के निर्देश 3 और 4 पहले ही वापस ले लिए गए थे। मौजूदा आवेदन केवल उन पर लगाए गए प्रतिबंध से संबंधित था।

# क्रिकेटर रिंकू सिंह का फेसबुक अकाउंट हैक

### हैकर्स ने आईडी बदली, मोनेटाइजेशन से आने वाले पैसे भी हड़पे; अलीगढ़ में एफआईआर

**अलीगढ़ (एजेंसी)।** क्रिकेटर रिंकू सिंह की फेसबुक आईडी हैक हो गई। साइबर ठगों ने रिंकू के फेसबुक की ईमेल आईडी बदलकर उससे होने वाली कमाई अपने खाते में ट्रांसफर कर ली। रिंकू के भाई सोनू की शिकायत के बाद मामले में साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज किया गया। सोनू ने शिकायत में कहा है कि ?रिंकू के फेसबुक पर 16 लाख फॉलोअर्स हैं। वे काफी समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच और टी-20 वर्ल्ड कप की तैयारियों में व्यस्त थे। इस वजह से सोशल मीडिया अकाउंट पर ध्यान नहीं दे पा रहे थे। सोनू ने बताया कि रिंकू ने 4 फरवरी को मुंबई से अपना फेसबुक एकाउंट लॉग इन किया।

# टी20 विश्व कप से एक दिन पहले भारत को बड़ा झटका

### स्टार तेज गेंदबाज राणा हुआ चोटिल

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** टी20 विश्व कप से ठीक एक दिन पहले भारत को बड़ा झटका लगा है। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज हर्षित राणा चोट के कारण टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर हो गए हैं। रिपोर्ट्स में इस बात की जानकारी सामने आई है। अभी आधिकारिक जानकारी आना बाकी है। हर्षित बुधवार को साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत के वार्म-अप मैच के दौरान चोटिल हो गए थे।

**टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम** – सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल (उपकप्तान), रिंकू सिंह, जसप्रित बुमरा, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, वाशिंगटन सुंदर, ईशान किशन (विकेटकीपर)

### टी20 विश्व कप के लिए भारत का शेड्यूल

- **7 फरवरी**– भारत बनाम यूएस (वानखेड़े स्टेडियम, मुंबई)
- **12 फरवरी**– भारत बनाम नामीबिया (अरुण जेटली स्टेडियम, दिल्ली)
- **15 फरवरी**– भारत बनाम पाकिस्तान (आर. प्रेमदासा स्टेडियम, कोलंबो)
- **18 फरवरी**– भारत बनाम नीदरलैंड्स (नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद)

# चीन से हारकर भारतीय महिला टीम बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप से बाहर

**किंगदाओ (एजेंसी)।** पिछली चैम्पियन भारतीय महिला टीम बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को दूसरे दर्जे की चीन की टीम से 0-3 से हारकर बाहर हो गई। भारत ने 2024 में इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था लेकिन इस बार पी वी सिंधू के नहीं खेलने से भारत की संभावनाओं को धक्का लगा। टूर्नामेंट में इससे पहले दो मैच जीत चुकी दुनिया की 42वें नंबर की खिलाड़ी तन्वी शर्मा दसवीं रैंकिंग वाली गाओ फांग जिसे एकतरफा मुकाबले में 9-21, 9-21 से हार गई। गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली की जोड़ी ने जुझारू खेल दिखाया लेकिन दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी जिया यि फान और झांग शू शियान से 22-24, 18-21 से पराजय का सामना करना पड़ा।

- **टी-20 वर्ल्डकप, पाकिस्तान से मैच पर सूर्या बोले**

# हम तैयार, खेलने से उन्होंने मना किया

- **हम कोलंबो जाएंगे, पाक ने मुकाबले का बॉयकॉट किया**

**मुंबई(एजेंसी)।** टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच को लेकर चल रहीं चर्चाओं के बीच भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टीम इंडिया का रुख स्पष्ट कर दिया। गुरुवार को मुंबई में कैप्टन्स डे के दौरान सूर्या ने कहा कि भारत मैच खेलेगा। सामने वाली टीम नहीं खेलना चाहती तो यह उनकी मर्जी है।

हमारा माइंडसेट बिल्कुल साफ है। हमने खेलने के लिए मना नहीं किया है, उधर से मना किया गया है। आईसीसी ने मैच का शेड्यूल तय किया है और हम खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हमारे टिकट बुक हैं और दिल्ली के बाद हम कोलंबो जा रहे हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से शुरू हो रहा है। 15 फरवरी को टीम इंडिया कोलंबो में पाकिस्तान से भिड़ने वाली है, लेकिन पाकिस्तान सरकार ने इस मैच के बॉयकॉट का ऐलान कर दिया है।

**दो शहरों में कैप्टन्स डे**- टी-20 वर्ल्ड कप का कैप्टन्स डे आज दो अलग-अलग शहरों में आयोजित किया गया। मुंबई में भारत, अफगानिस्तान, कनाडा, इंग्लैंड, इटली, नामीबिया, नेपाल, न्यूजीलैंड, स्कॉटलैंड, साउथ अफ्रीका, अमेरिका और वेस्टइंडीज के कप्तानों ने हिस्सा लिया।

**सूर्या बोले- ड्रेसिंग रूम का माहौल काफी सहज**- मुंबई में बातचीत के दौरान सूर्यकुमार यादव ने टीम इंडिया के कोच ड्रेसिंग रूम में गौतम गंभीर के असर को लेकर बात की। उन्होंने कहा, गंभीर ने टीम के भीतर जो माहौल बनाया है, वह काफी सकारात्मक है। ड्रेसिंग रूम का माहौल भी काफी सहज रहता है।

**भारत के 5, श्रीलंका के 3 वेन्यू पर टूर्नामेंट**- भारत में अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम, नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम, कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम, चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम और मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टूर्नामेंट के मैच खेले जाएंगे। वहीं, श्रीलंका में कोलंबो और कैंडी में मुकाबले होंगे। कोलंबो में आर प्रेमदासा और सिंहला स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में मैच खेले जाएंगे। टीम इंडिया मुंबई, दिल्ली, कोलंबो और अहमदाबाद में ग्रुप स्टेज के मैच खेलेगी।

- **पाकिस्तानी पीएम बोले-**

# बांग्लादेश के साथ खड़े रहना सही फैसला

### भारत का बॉयकॉट सोच-समझकर किया; बांग्लादेश के स्पोर्ट्स एडवाइजर बोले- थैंक यू, पाकिस्तान

**कराची (एजेंसी)।** पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप मैच के बहिष्कार को सही और सोचा-समझा फैसला बताया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस मुद्दे पर बांग्लादेश के साथ मजबूती से खड़ा है।

एक फरवरी को पाकिस्तान सरकार ने ङ्क पोस्ट में भारत से मैच का बॉयकॉट करने का ऐलान किया था। उसके बाद आईसीसी ने पीसीबी से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा था। उसके बाद से पीसीबी का तो कोई बयान नहीं आया, लेकिन वहां के प्रधानमंत्री ने साफ कर दिया कि पाकिस्तानी सरकार फैसला नहीं बदलने वाली है।

सरकार की बैठक के बाद शरीफ ने कहा- हमने टी20 वर्ल्ड कप पर बिल्कुल साफ रुख अपनाया है कि हम भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेंगे, क्योंकि खेल के मैदान पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

### पाकिस्तान ने 1 फरवरी को मैच का बॉयकॉट किया

1 फरवरी को पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक पोस्ट के जरिए भारत के खिलाफ मैच के बॉयकॉट करने का ऐलान किया था। पाकिस्तान ने यह फैसला बांग्लादेश के सपोर्ट में लिया था, क्योंकि आईसीसी ने बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत की बजाय अपने मैच श्रीलंका में कराने की मांग की थी। यह पूरा विवाद मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से हटाए जाने के बाद शुरू हुआ।

### ऑस्ट्रेलिया को एक और बड़ा झटका, स्टार तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड टी20 विश्व कप से बाहर

मेलबर्न (एजेंसी)। अपने प्रमुख खिलाड़ियों की फिटनेस समस्याओं से जूझ रही आस्ट्रेलियाई टीम को करारा झटका लगा जब स्टार तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड हैमस्ट्रिंग चोट से समय पर उबर नहीं पाने के कारण टी20 विश्व कप से बाहर हो गए। आस्ट्रेलिया उनके विकल्प की घोषणा नहीं करेगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पहले कहा था कि हेजलवुड टूर्नामेंट के बीच में या आखिर में टीम से जुड़ेंगे। टी20 विश्व कप भारत और श्रीलंका में शनिवार से शुरू हो रहा है। चयनकर्ता टोनी डोडेमेड ने कहा, हमें उम्मीद थी कि जोश सुपर आठ चरण तक फिट हो जायेंगे लेकिन ताजा संकेत मिले हैं कि उसे फिट होने में समय लगेगा और जल्दबाजी करना जोखिमभरा हो सकता है। उन्होंने कहा, हम किसी विकल्प की तुरंत घोषणा नहीं करेंगे। बाद में जरूरत के समय देखा जाएगा। ग्रुप चरण में नाथन हिल्स और टिम डेविड उपलब्ध हो जाएंगे जबकि एडम जम्पा पहला मैच खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया का नीदरलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच कल रात रद्द हो गया लेकिन 11 फरवरी को आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच से पूर्व टीम के पास अभ्यास के लिए काफी समय है। ऑस्ट्रेलिया के सारे प्रारंभिक मैच कोलंबो और पाल्लेकल में होंगे। इससे पहले तेज गेंदबाज पैट कमिंस भी कमर की चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे जिनकी जगह बेन ड्वारशुइस ने ली। मिचेल स्टार्क टी20 क्रिकेट को पहले ही अलविदा कह चुके हैं।

# इस्लामाबाद में शिया मस्जिद पर आत्मघाती हमले में 31 लोगों की मौत, 169 घायल



» इस्लामाबाद, भाषा।

**पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शुक्रवार की नमाज के दौरान एक आत्मघाती हमलावर द्वारा खुद को विस्फोट में उड़ा लेने से कम से कम 31 लोग मारे गए और 169 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने एक बयान में कहा कि यह भीषण विस्फोट इस्लामाबाद के तरलाई इलाके में स्थित खदीजातुल कुबरा मस्जिद-सह-इमामबाड़ा में हुआ। पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आत्मघाती हमलावर को इमामबाड़ा के द्वार पर रोक लिया गया था, लेकिन उसने खुद को विस्फोट में उड़ा लिया। जिला प्रशासन के प्रवक्ता ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि विस्फोट में कम से कम 31 लोग मारे गए और 169 अन्य घायल हो गए। फिलहाल किसी भी समूह ने इस विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि, पुलिस सूत्रों ने बताया कि हमलावर एक विदेशी नागरिक था और उसके संबंध फितना अल ख्वाराजी से थे।**

यह शब्द तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इससे पहले, इस्लामाबाद के उपायुक्त इरफान नवाज मेमन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा था कि विस्फोट में 80 से अधिक लोग घायल हुए, जबकि 15 शवों को विभिन्न अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया है। बचाव टीम और पुलिस हमले वाली जगह पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। राजधानी के अस्पतालों में आपात स्थिति घोषित कर दी गई। सेना के जवानों और रेंजर्स ने इलाके को घेर लिया है और विस्फोट स्थल के आसपास सुरक्षा अभियान चलाए जा रहे हैं। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब उज़्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोएव पाकिस्तान के दौरे पर हैं। वह बृहस्पतिवार को पाकिस्तान के दो दिवसीय राजकीय दौरे पर पहुंचे। इस घटना से कुछ महीने पहले इस्लामाबाद में जिला एवं सत्र न्यायालय भवन के बाहर हुए एक आत्मघाती विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई थी। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सीनेट में विपक्ष के नेता अल्लामा राजा नासिर अब्बास ने इस हमले की निंदा की। जरदारी ने कहा, निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना मानवता के खिलाफ अपराध है। इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए अब्बास ने कहा कि धार्मिक स्थलों को निशाना बनाना मानवता, धर्म और सामाजिक मूल्यों पर सीधा हमला है, जिसे किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, विस्फोट की प्रकृति की जांच की जा रही है, लेकिन विस्फोट आत्मघाती हमला प्रतीत होता है। गृह राज्य मंत्री तलल चौधरी ने इस्लामाबाद स्थित पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (पीआईएमएस) अस्पताल का दौरा किया और घायलों से मुलाकात की। संसदीय कार्य मंत्री तारिक फजल चौधरी ने एक्स पर एक पोस्ट में इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए जानमाल की हानि पर दुख व्यक्त किया। मंत्री ने कहा, इस तरह के आतंकवादी कृत्य देश के मनोबल को कमज़ोर नहीं कर सकते। इस समय की सबसे बड़ी आवश्यकता यह है कि हम सभी शांति, सहिष्णुता और स्थिरता के लिए एकजुट हों और कानून लागू करने वाली एजेंसियों के साथ एकजुटता व्यक्त करें।

### सीरिया में सैन्य अभियान में अहम भूमिका निभाने के लिए हीरो ऑफ रूस पदक से सम्मानित किया गया था

# रूस के सैन्य खुफिया विभाग के उप प्रमुख को मॉस्को में गोली मारी गई

» मॉस्को, भाषा।

**रूस की राजधानी मॉस्को में एक अज्ञात हमलावर ने सैन्य खुफिया विभाग के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल व्लादिमीर एलेक्सेव को गोली मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव (64) पर हमले की यह घटना रूस के कई वरिष्ठ सैन्य एवं खुफिया अधिकारियों की हत्या के बाद सामने आई है, जिनके लिए मॉस्को ने यूक्रेन को दोषी ठहराया है। जांच समिति की प्रवक्ता स्वेतलाना पेत्रेंको ने एक बयान में कहा कि मॉस्को के उत्तर-पश्चिम में स्थित एक अपार्टमेंट में एक अज्ञात हमलावर ने लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव पर गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव को कई गोलियां लगी हैं और उनका मॉस्को के एक अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।**



पेत्रेंको ने यह नहीं बताया कि लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव पर हमले के पीछे किसका हाथ हो सकता है। लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव साल 2011 से रूस की सैन्य खुफिया एजेंसी के प्रथम उप प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं। उन्हें सीरिया में मॉस्को के सैन्य अभियान में अहम भूमिका निभाने के लिए हीरो ऑफ रूस पदक से सम्मानित किया गया था। लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव पर गोलीबारी की यह घटना यूक्रेन में लगभग चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए रूसी, यूक्रेनी और अमेरिकी वार्ताकारों के बीच अबू धाबी में संपन्न दो दिवसीय वार्ता के एक दिन बाद हुई है। इस वार्ता में रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सैन्य खुफिया विभाग के प्रमुख एडमिरल इगोर कोस्त्युकोव ने किया था। रूस के राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने बताया कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को हमले के बारे में सूचित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में जारी संघर्ष के बीच कानून लागू करने वाली एजेंसियों को वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की सुरक्षा बढ़ाने की जरूरत है। यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूसी अधिकारियों ने रूस में कई सैन्य अधिकारियों और सार्वजनिक हस्तियों की हत्याओं के लिए कीव को दोषी ठहराया है। यूक्रेन ने इनमें से कुछ हत्याओं की जिम्मेदारी भी ली है। हालांकि, उसने अभी तक लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव पर हुई गोलीबारी के सिलसिले में कोई टिप्पणी नहीं की है। पिछले साल दिसंबर में रूसी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के परिचालन प्रशिक्षण निदेशालय के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फानिल सरवरोव की एक कार बम हमले में मौत हो गई थी। इससे पहले, अप्रैल 2025 में जनरल स्टाफ में मुख्य परिचालन विभाग के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल यारोस्लाव मोस्कालिक की मॉस्को में उनके अपार्टमेंट के बाहर खड़ी कार में हुए विस्फोट में मौत हो गई थी। दिसंबर 2024 में रूसी सेना के परमाणु, जैविक और रासायनिक सुरक्षा बलों के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल इगोर किरिलोव की उनके अपार्टमेंट के बाहर एक इलेक्ट्रिक स्कूटर में हुए विस्फोट में मौत हो गई थी।

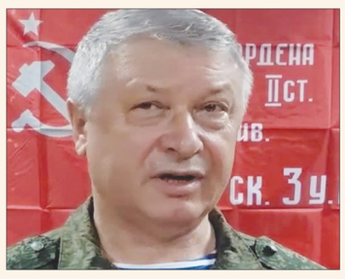

## पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा में 24 आतंकवादियों को मार गिराया



**पेशावर, भाषा।** पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को उत्तर-पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो अलग-अलग खुफिया अभियानों में 24 आतंकवादियों को मार गिराया। सेना की मीडिया इकाई ने यह जानकारी दी। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशन्स (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा, 4-5 फरवरी को, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो अलग-अलग मुठभेड़ों में फितना-अल-ख्वारिज से जुड़े चौबीस ख्वारिज मारे गए। फितना-अल-ख्वारिज एक ऐसा शब्द है जिसका इस्तेमाल प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े आतंकवादियों के लिए किया जाता है। ये दो खुफिया-आधारित अभियान प्रांत के ओरकजई और खैबर जिलों में संचालित किए गए। ओरकजई जिले में चलाए गए अभियान के दौरान, सैनिकों ने आतंकवादियों को घेर लिया और 14 आतंकवादियों को मार गिराया। जबकि खैबर में एक और अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने 10 आतंकवादियों को मार गिराया। मुठभेड़ों के बाद, सुरक्षा बलों ने इलाके में पाए जाने वाले किसी भी अन्य प्रायोजित ख्वारिज को खत्म करने के लिए क्षेत्रों में अभियान चलाए। सेना की मीडिया इकाई ने कहा कि सुरक्षा बलों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा आतंकवाद विरोधी अभियान, देश में विदेशी प्रायोजित और समर्थित आतंकवाद के खतरे को खत्म करने के लिए पूरी गति से जारी रहेंगे। इससे पहले जनवरी में, खैबर पख्तूनख्वा में दो अलग-अलग अभियानों में 11 आतंकवादी मारे गए थे। नवंबर 2022 में टीटीपी द्वारा सरकार के साथ अपने संघर्ष विराम समझौते को समाप्त करने और हमलों को बढ़ाने का संकल्प लेने के बाद से पाकिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि देखी गई है। इस्लामाबाद स्थित पाक इंस्टीट्यूट फॉर पीस स्टडीज द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, रिकॉर्ड संख्या में आतंकवादियों की मौत के बावजूद, पाकिस्तान में 2025 में आतंकवादी हिंसा में भारी वृद्धि देखी गई जिसमें आतंकवादी हमलों में 34 प्रतिशत और आतंकवाद से संबंधित मौतों में साल-दर-साल 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

## यूक्रेन वार्ता के बाद अमेरिका और रूस फिर से सैन्य संवाद शुरू करने पर सहमत

**कीव, भाषा।** अमेरिका और रूस ने बृहस्पतिवार को चार वर्ष से अधिक समय बाद उच्च स्तरीय सैन्य संवाद फिर से स्थापित करने पर सहमति जताई। इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा सत्ता में लौटने और यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों के बीच दोनों देशों के रिश्तों में नरमी का एक और संकेत माना जा रहा है। मॉस्को और वाशिंगटन के बीच बढ़ते तनाव के चलते फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण से पहले, 2021 के अंत में उच्चस्तरीय सैन्य संपर्क निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल के चुनाव अभियान में युद्ध को शीघ्र समाप्त करने का वादा किया था। शांति को लेकर उनके कई प्रस्तावों को रूस के पक्ष में माना गया है, जिनमें यूक्रेन से रूस को क्षेत्र सौंपने की शर्त भी शामिल है। अमेरिकी यूरोपीय कमांड ने एक बयान में कहा कि बहाल किया गया यह संपर्क स्थाई शांति की दिशा में काम जारी रहने के दौरान दोनों पक्षों के बीच निरंतर सैन्य संवाद उपलब्ध कराएगा यह सहमति संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी में वरिष्ठ अमेरिकी और रूसी सैन्य अधिकारियों के बीच हुई बैठक के बाद बनी। अमेरिकी जनरल एलेक्सस ग्रिनकेविच यूरोप में अमेरिकी और नाटो बलों के कमांडर हैं और वह अबू धाबी में मौजूद थे, जहां युद्ध समाप्त करने को लेकर अमेरिकी, रूसी और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच वार्ता दूसरे दिन भी हुई। इस बीच, मॉस्को ने यूक्रेन के बिजली ग्रिजी पर अपने हमले तेज कर दिए हैं। इसे आम नागरिकों को बिजली से वंचित करने और युद्ध के लिए जनसमर्थन को कमजोर करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। वहीं, यूक्रेन के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में करीब1,000 किलोमीटर लंबी अग्रिम सीमा पर संघर्ष जारी है।

## न्यूज ब्रीफ

### हांगकांग के पूर्व मीडिया दिग्गज जिमी लाई को सोमवार को सजा सुनाई जाएगी

» हांगकांग, भाषा।

**हांगकांग के लोकतंत्र समर्थक पूर्व मीडिया दिग्गज जिमी लाई को चीन द्वारा लागू राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत दिसंबर में दोषी ठहराए जाने के बाद सोमवार को सजा सुनाई जाएगी। अब बंद हो चुके एप्पल डेली अखबार के संस्थापक लाई (78) को इस मामले में आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है। लाई के खिलाफ कार्रवाई की कुछ विदेशी सरकारों ने आलोचना की है। न्यायपालिका ने शुक्रवार को अपनी वेबसाइट पर जानकारी दी कि वह सोमवार को पूर्वाह्न 10 बजे सजा सुनाए जाने की कार्यवाही शुरू करेगी। लाई चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के मुखर आलोचक रहे हैं और उन्हें 2020 में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार किया गया था।**

चीन पिछले वर्ष हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद शहर की स्थिरता के लिए इस कानून को आवश्यक मानता है। लाई के खिलाफ मुकदमे को व्यापक पैमाने पर हांगकांग में प्रेस की स्वतंत्रता के पतन के एक संकेतक के रूप में देखा गया है। लाई को सजा सुनाए जाने से चीन और विदेशी सरकारों के बीच तनाव पैदा हो सकता है। लाई की दोषसिद्धि की अमेरिका और ब्रिटेन ने आलोचना की थी। लाई को विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत कर राजद्रोहपूर्ण लेख प्रकाशित करने की साजिश रचने का दोषी पाया गया। उन पर एप्पल डेली के वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य लोगों के साथ मिलकर, हांगकांग या चीन के खिलाफ प्रतिबंध लगाने या उनके विरुद्ध अन्य शत्रुतापूर्ण गतिविधियों में शामिल होने का विदेशी ताकतों से आग्रह करने का आरोप लगाया गया है। लाई ने सभी आरोपों में खुद को निर्दोष बताया। एप्पल डेली में उनके छह पूर्व सहयोगियों और दो कार्यकर्ताओं ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। अपराध स्वीकार कर लेने के कारण उन्हें कम सजा मिलने की संभावना है। लाई को 2019 में धोखाधड़ी के आरोपों और उनके द्वारा किए गए कृत्यों से संबंधित कई छोटे अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया था। वह इन अपराधों के लिए लगभग छह साल कारावास की सजा काट रहे हैं।

### पश्चिमी नेपाल में बस दुर्घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 13 हुई

» काठमांडू, भाषा।

**पश्चिमी नेपाल में एक विवाह समारोह में शामिल होने के लिए लोगों को ले जा रही बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इलाज के दौरान पांच और लोगों ने दम तोड़ दिया, जिससे मृतकों का आंकड़ा बढ़ गया। यह हादसा बृहस्पतिवार को नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रदेश में हुआ था। काठमांडू पोस्ट के अनुसार, पुलिस ने बताया कि आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि पांच अन्य ने दादेलधुरा अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।**

पुलिस के मुताबिक, बृहस्पतिवार रात करीब आठ बजे यह दुर्घटना उस समय हुई, जब बैताड़ी जिले के पुरचौड़ी नगरपालिका क्षेत्र से विवाह समारोह में शामिल होने के लिए लोगों को लेकर जा रही बस पहाड़ी सड़क से करीब 200 मीटर नीचे गहरी खाई में गिर गई। रिपोर्ट के अनुसार, मृतकों में एक महिला भी शामिल है। इस हादसे में 40 अन्य लोग घायल हुए हैं। दुर्घटना पश्चिमी नेपाल के पुरचौड़ी-7 क्षेत्र के बदगांव में हुई। पुलिस ने बताया कि घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सशस्त्र पुलिस बल के बचावकर्मियों ने काठमांडू पोस्ट को बताया कि बस में क्षमता से अधिक लोग सवार थे और चढ़ाई चढ़ते समय बस का प्रेशर पाइप फटने के कारण यह हादसा होने की आशंका है। स्थानीय निवासियों, नेपाल पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल ने संयुक्त रूप से बचाव अभियान चलाया। पुलिस ने कहा कि कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है, जिससे मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका है।

# रूस ने अंतिम परमाणु हथियार संधि की अवधि समाप्त होने पर खेद जताया

### ट्रंप नई संधि के इच्छुक

» मॉस्को, भाषा।

**रूस और अमेरिका के बीच शेष परमाणु हथियार नियंत्रण संधि की अवधि समाप्त होने पर क्रेमलिन ने बृहस्पतिवार को खेद जताया, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह इसके मौजूदा प्रावधानों को बनाए रखने के पक्ष में नहीं हैं और एक नई तथा बेहतर संधि चाहते हैं। इस संधि के समाप्त होने से आधी सदी से अधिक समय में पहली बार दुनिया के दो सबसे बड़े परमाणु हथियार भंडार रखने वाले देखों पर कोई सीमा नहीं रह गई है।**

जिससे बिना नियंत्रण के परमाणु हथियारों की दौड़ शुरू होने की आशंका बढ़ गई है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पिछले वर्ष कहा था कि यदि वॉशिंगटन भी सहमत हो तो रूस एक वर्ष तक और संधि की सीमाओं का पालन करने के लिए तैयार है। हालांकि, ट्रंप ने इस प्रस्ताव को नजरअंदाज किया और कहा कि वह चीन को भी किसी नई संधि में शामिल करना चाहते हैं। इसे बीजिंग पहले ही खारिज कर चुका है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर लिखा, न्यू स्टार्ट (अमेरिका द्वारा खराब तरीके से बातचीत के बाद की गई संधि, जिसका गंभीर उल्लंघन किया जा रहा है) को बढ़ाने के बजाय हमें अपने परमाणु विशेषज्ञों को एक नई, बेहतर और आधुनिक संधि पर काम करने देना चाहिए, जो लंबे समय तक टिक सके। क्रेमलिन के सलाहकार यूरी उशाकोव ने बताया कि पुतिन ने बुधवार को चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ इस संधि की समाप्ति पर चर्चा की। उन्होंने अमेरिका द्वारा संधि बढ़ाने के रूसी प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया न देने का उल्लेख करते हुए कहा कि रूस सुरक्षा स्थिति के गहन विश्लेषण के आधार पर संतुलित और जिम्मेदार तरीके से कार्रवाई करेगा। क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने कहा कि मॉस्को संधि की अवधि समाप्त होने को नकारात्मक रूप में देखता है और इस पर खेद जताता है। उन्होंने कहा कि परमाणु हथियारों के मामले में रूस स्थिरता को लेकर जिम्मेदार और संतुलित दृष्टिकोण बनाए रखेगा, हालांकि वह मुख्य रूप से अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखेगा। पेस्कोव ने यह भी कहा कि यदि हमें रचनात्मक प्रतिक्रिया मिलती है, तो हम निश्चित रूप से संवाद करेंगे। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि संधि के समाप्त होने के बाद मॉस्को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संभावित अतिरिक्त खतरों का मुकाबला करने हेतु निर्णायक सैन्य-तकनीकी कदम उठाने के लिए तैयार रहेगा। इस बीच, न्यू स्टार्ट संधि की अवधि समाप्त होने के बावजूद, अमेरिका और रूस ने बृहस्पतिवार को उच्चस्तरीय सैन्य संवाद दोबारा शुरू करने पर सहमति जताई। यूरोप में अमेरिकी सैन्य कमान ने बताया कि यह सहमति अबू धाबी में दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक के बाद बनी। यह संवाद 2021 में उस समय निलंबित कर दिया गया था, जब फरवरी 2022 में यूक्रेन में रूसी सैनिकों की तैनाती से पहले मॉस्को और वॉशिंगटन के संबंधों में भारी तनाव आ गया था।

## ट्रंप ने फिर किया भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाने का दावा

» न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, भाषा।

**अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक ही दिन में दो बार अपना यह दावा दोहराया कि उन्होंने पिछले साल भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष को रुकवाया था। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को नेशनल प्रेयर ब्रेकफास्ट में कहा, मैंने एक साल में आठ भयंकर युद्धों को समाप्त कराया जैसे कि कंबोडिया और थाईलैंड के बीच युद्ध, कोसोवो और सर्बिया के बीच युद्ध, पाकिस्तान और भारत के बीच युद्ध, इजराइल और ईरान के बीच युद्ध, आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच युद्ध। बाद में ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर भी एक पोस्ट में इस दावे को फिर दोहराया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध होने से रुकवाया। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा, अमेरिका विश्व का सबसे शक्तिशाली देश है।**



मैंने अपने पहले कार्यकाल में इसकी सेना को नए सिरे से पूरी तरह मजबूत किया था...। उन्होंने कहा, मैंने दुनिया भर के कई देशों- पाकिस्तान और भारत, ईरान और इजराइल तथा रूस और यूक्रेन के बीच परमाणु युद्धों को रोका है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने 90 से अधिक बार दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव को समाप्त कराया। ट्रंप ने पहली बार पिछले साल 10 मई को सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि अमेरिका की मध्यस्थता में हुई बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान सैन्य टकराव को पूर्ण रूप से और तत्काल रोकने पर सहमत हुए। भारत ने किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से लगातार इनकार किया है।

### अमेरिका ने ट्रंप के अपमान को लेकर पोलैंड की संसद के अध्यक्ष से संबंध समाप्त किए

**वारसॉ, भाषा।** पोलैंड में अमेरिका के राजदूत ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि अमेरिका इस यूरोपीय देश की संसद के निचले सदन के अध्यक्ष व्लोदिमीएर्ज चेर्जेस्टी के साथ अब आगे कोई लेन-देन, संपर्क या संवाद नहीं करेगा। राजदूत टॉम रोज ने यह कदम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ अकारण दिए गए अपमानजनक बयान को लेकर उठाया है। हालांकि रोज ने यह स्पष्ट नहीं किया कि कथित अपमानजनक टिप्पणियां क्या थीं लेकिन चेर्जेस्टी ने सोमवार को एक सार्वजनिक बयान में कहा था कि वह इजराइल और अमेरिका के नेताओं की उस पहल का समर्थन नहीं करेंगे जिसमें ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करने की बात थी। चेर्जेस्टी उस वामपंथी पार्टी के नेता हैं जो प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के नेतृत्व वाली उदार सरकार का हिस्सा हैं। ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से पोलैंड को अपने यूरोपीय सहयोगियों का बचाव करते हुए अमेरिका को नाराज न करने की कठिन स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि पड़ोसी यूक्रेन में शांति काफी हद तक अमेरिका पर निर्भर है। पोलैंड ने संतुलन बनाने के लिए टस्क को यूरोपीय संघ मामलों में आगे रखा, जबकि राष्ट्रपति कैरोल नावरोत्स्की ने ट्रंप से संबंध मजबूत किए। नावरोत्स्की को ट्रंप का समर्थन मिला था और उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस भी बुलाया गया था।

### ओमान ने तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका, ईरान के बीच अप्रत्यक्ष वार्ता में मध्यस्थता की

**मस्कट, भाषा।** ओमान ने शुक्रवार को तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर ईरान और अमेरिका के बीच अप्रत्यक्ष वार्ता में मध्यस्थता की। ओमान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ईरान और अमेरिका के वार्ताकारों के काफिले ओमान के शीर्ष राजनयिक के साथ अलग-अलग बैठक के लिए मस्कट पहुंचे। हालांकि, अमेरिका और ईरान की तरफ से इस घटनाक्रम पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस के संवाददाताओं ने ईरानी अधिकारियों को मस्कट के बाहरी इलाके में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास स्थित एक पैलेस में देखा। संवाददाताओं के मुताबिक, ईरानी अधिकारियों का काफिला कुछ देर बाद पैलेस से कुछ दूर स्थित एक होटल के लिए रवाना हो गया। इस बीच, ईरान के सरकारी मीडिया ने पुष्टि की कि विदेश मंत्री अब्बास अराघची मस्कट में अपने ओमानी समकक्ष बद्र अल-बुसैदी से मिले। एसोसिएटेड प्रेस के संवाददाताओं के अनुसार, ईरानी अधिकारियों के पैलेस से रवाना होने के बाद एक अन्य काफिला वहां दाखिल हुआ, जिसमें शामिल एक एसयूवी पर अमेरिकी झंडा लहरा रहा था। संवाददाताओं ने बताया कि यह काफिला लगभग डेढ़ घंटे तक पैलेस में रुका और फिर वहां से रवाना हो गया। ओमान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि अल-बुसैदी ने पहले अराघची और फिर पश्चिम एशिया के लिए अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ तथा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर से अलग-अलग मुलाकात की। बयान में कहा गया है, बातचीत मुख्यत राजनयिक और तकनीकी वार्ताओं को फिर से शुरू करने के लिए उपयुक्त परिस्थितियां तैयार करने पर केंद्रित थी।

### तूफान के कारण 6,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए, 5,800 लोगों ने दक्षिणी और मध्य प्रांतों में राहत शिविरों में शरण ली

# फिलीपीन में उष्णकटिबंधीय तूफान से चार की मौत, हजारों विस्थापित

» कैगायन डी ओरो (फिलीपीन), भाषा।

**दक्षिणी फिलीपीन में आए एक उष्णकटिबंधीय तूफान के कारण बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं हुईं, जिनमें कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 6,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उष्णकटिबंधीय तूफान पेन्हा ने बृहस्पतिवार देर रात प्रशांत महासागर से होते हुए दक्षिण-पूर्वी सुरिगाओ डेल सुर प्रांत में कहर ढाया। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, शुक्रवार दोपहर के आसपास यह तूफान मध्य बोहोल प्रांत के तट के पास स्थित था, जहां इसकी अधिकतम निरंतर गति 55 किलोमीटर प्रति घंटा और हवा की गति 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक दर्ज की गई।**

नागरिक सुरक्षा कार्यालय के क्षेत्रीय निदेशक एंतोनियो सुगारोल ने बताया कि कैगायन डी ओरो शहर के दक्षिणी हिस्से के एक गांव में मूसलाधार बारिश के कारण खदान क्षेत्र में हुए भूस्खलन से एक दंपति और उनके दो बच्चों की बृहस्पतिवार रात मौत हो गई। भूस्खलन से उनकी झोपड़ी क्षतिग्रस्त हो गई थी। कैगायन डी ओरो से करीब 55 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित इलिगन शहर में, एक निवासी ने शुक्रवार को रेडियो नेटवर्क डीज़ेडएमएम को फोन कर अपने घर की दूसरी मंजिल से बचाए जाने की गुहार लगाई। बाढ़ का पानी बढ़ने से वह अपने तीन परिजनों के साथ फंस गई थी। सुगरोल ने रेडियो पर उस महिला को आश्वासन देते हुए कहा, बचाव दल रास्ते में हैं। उन्होंने बताया



कि इलिगन शहर के महायहाय और टुबोद गांवों में अन्य परिवारों को भी सुरक्षित निकाला जा रहा है। नागरिक सुरक्षा कार्यालय के अनुसार, तूफान के कारण 6,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं, जिनमें से करीब 5,800 लोगों ने दक्षिणी और मध्य प्रांतों में राहत शिविरों में शरण ली है। कई इलाकों में स्कूलों में कक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। फिलीपीन तटरक्षक बल ने बताया कि खराब समुद्री परिस्थितियों के चलते अंतर-द्वीपीय यात्री नौकाओं और मालवाहक जहाजों के संचालन पर अस्थाई रोक लगाए जाने के कारण 94 बंदरगाहों पर करीब 5,000 यात्री और माल ढुलाई संबंधी कर्मी फंसे हुए हैं। सरकारी मौसम वैज्ञानिक रॉबर्ट बद्रीना ने कहा कि करीब 660 किलोमीटर के दायरे में फैले इस तूफान का प्रभाव गर्मियों की शुरुआत से पहले उस समय पड़ा है, जब आमतौर पर फिलीपीन में सबसे कम तूफान आते हैं। मौसम विभाग के अनुसार, पेन्हा के शुक्रवार देर रात तक कमजोर होकर उष्णकटिबंधीय अवदाब में बदलने और मध्य द्वीपीय प्रांतों से होते हुए उत्तर-पश्चिम दिशा में पश्चिमी पलावन प्रांत की ओर बढ़ने की संभावना है। फिलीपीन में हर वर्ष औसतन 20 तूफान और चक्रवात आते हैं। देश भूकंपों की चपेट में भी रहता है और यहां एक दर्जन से अधिक सक्रिय ज्वालामुखी हैं, जिससे यह दुनिया के सबसे अधिक आपदा संभावित देशों में शामिल है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com